जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 45 संख्याः 263 प्रभात बीकानेर, गुरुवार 18 अप्रेल, 2024 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

19 अप्रैल को 102 संसदीय सीटों पर मतदान होगा

इस दिन 21 राज्यों व केन्द्र शासित क्षेत्रों में 12 लाख मतदान केन्द्रों पर मतदाता अपने वोटिंग के अधिकार का उपयोग कर सकेंगे

- भाजपा की ओर से नितिन गडकरी, कनीमोई, नकुलनाथ, जतिन प्रसाद, कोयंबटूर से भाजपा अध्यक्ष अन्नामलाई, निशित प्रमाणिक आदि 19 को अपना भाग्य ई.वी.एम. पर आजमायेंगे।
- तमिलनाडू की 39 सीटों व यू.पी. की अस्सी सीटों में से आठ सीटों पर भी मतदान होगा।
- यू.पी. की ये आठ सीटें हैं, सहारनपुर, कैराना, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, नगीना, मुरादाबाद, रामपुर व पीलीभीत।
- ये सभी सीटें वैस्टर्न यू.पी. में हैं।
- इस बार के लोकसभा चुनाव में 97 करोड़ मतदाता वोट देंगे।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 अप्रैल। सात चरणों वाले लोकसभा चुनाव के 19 अप्रैल को हो रहे प्रथम चरण की वोटिंग को लेकर तैयारियां पूर्ण है। देश के 21 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों की 102 लोकसभा सीटों पर 19 अप्रैल को मतदान है। बिहार, उत्तर प्रदेश, अरूणाचल प्रदेश, असम, छत्तीसगढ़, जम्मू एवं कश्मीर, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और पश्चिम बंगाल और केन्द्र शासित प्रदेशों के 1.2 मिलीयन मतदान केन्द्रों पर वोट डाल जाएंगे। लोकसभा की 543 सीटों पर लगभग 97 करोड़ मतदाता वोट डालेंगे।

राजस्थान की 25 लोकसभा सीटों में से 12 सीटों पर प्रथम चरण में वोट डाले जायेंगे, मतदान वाली ये सीटें- गंगानगर, चूरू, बीकानेर, झुंझुनूं, सीकर, जयपुर, जयपुर ग्रामीण, अलवर, भरतपुर, करौली-धौलपुर, दौसा और नागौर है। इन उक्त सीटों में से, चूरू लोकसभा सीट पर रोचक मुकाबला होने की संभावना है क्योंकि कांग्रेस ने इस सीट पर वर्तमान सांसद व भाजपा के पूर्व नेता राहुल कसवां को चुनावी मैदान में उतारा है, इनकी टक्कर भाजपा के उम्मीदवार, भारतीय पैरालंपिक भाला फेंक खिलाड़ी देवेन्द्र झांझड़िया से है। इसी तरह का एक चुनावी मुकाबला नागौर में भाजपा के खिलाफ इंडिया गठबंधन का सामने आया है, जहां पर पूर्व कांग्रेसी सांसद व भाजपा उम्मीदवार ज्योति मिर्धा वर्तमान सांसद व इंडिया ब्लॉक गठबंधन के हनुमान बेनीवाल के खिलाफ चुनाव लड़ रही हैं।

2019 के चुनावों में हुए सूपड़ा साफ को रोकने के उद्देश्य से, ज्ञातव्य है कि पिछले चुनावों में भाजपा ने राजस्थान की सभी पर एकतरफा विजय हासिल की थी, अतः इस बार कांग्रेस ने हनुमान बेनीवाल की पार्टी आर.एल.पी. से राजकुमार रोत की भारत आदिवासी पार्टी तथा लेफ्ट पार्टी से चुनाव पूर्व ही गठबंधन कर लिया है। प्रथम चरण में कई दिग्गज नेता प्रत्याशियों का भाग्य ई.वी.एम. में बंद हो जाएगा। इनमें खास नेता, भाजपा के नेता नितिन गडकरी जो नागपुर से चुनाव लड़ रहे हैं, कोयंबटूर से उम्मीदवार के. अन्नामलाई, जितिन प्रसाद पीलीभीत से, कूच बिहार से निसिथ प्रमाणिक तथा चेन्नई दक्षिण सीट से तमिलसाई सौंदरराजन हैं।

कनिमोई करूणानिधि (डी.एम.के.) से व छिन्दवाड़ा सीट से कांग्रेसी उम्मीदवार नकुल नाथ का भाग्य भी 19 अप्रैल की ई.वी.एम. में बंद हो जाएगा।

प्रथम चरण में तमिलनाडू की समस्त 39 लोकसभा सीटों के लिए वोट डाले जाएंगे। भाजपा दक्षिण के राज्यों में अब तक अपना खाता नहीं खोल पाई है हालांकि, इस बार उसे आशा है कि वह कोयंबटूर सीट को जीतने में कामयाब होगी, क्योंकि इस सीट से पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष व पूर्व आई.पी.एस. अधिकारी के. अन्नामलाई को चुनावी मैदान में उम्मीदवार बनाया है।

उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा के खिलाफ राजपूतों का विद्रोह

- पश्चिमी उत्तर प्रदेश, राजस्थान व सौराष्ट्र के राजपूतों ने भाजपा के खिलाफ यू.पी. के मुजफ्फरनगर जिले के एक गांव में एक महापंचायत का आयोजन किया।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 अप्रेल। राजपूत समुदाय ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ कम से कम तीन राज्यों में विद्रोह कर दिया है।

उत्तर प्रदेश और राजस्थान गुजरात का सौराष्ट्र क्षेत्र, जहाँ राजपूतों की पहचान क्षत्रिय के रूप में है। यह समुदाय केन्द्रीय मंत्री पुरूषोत्तम रूपाला द्वारा भरे गए नामांकन को वापिस लिए जाने की मांग कर रहा है। उत्तर प्रदेश के मुज़फ्फरनगर जिले के एक गांव में मंगलवार को आयोजित राजपूतों की एक महापंचायत हुई है, जिसमें स्पष्ट है कि भाजपा इस क्षेत्र में मुश्किल स्थिति का सामना कर सकती है। प्रभावशाली राजपूत समुदाय के "गर्व" एवं "सम्मान" का अचानक से किया गया यह प्रदर्शन वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के पहले चरण के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दो बार लगातार 25-0 से हारने के बाद कांग्रेस के लिये हैट ट्रिक रोकना बहुत जरूरी

कांग्रेस बाड़मेर, दौसा, चूरू, झुंझुनूं की सीटों पर पॉज़िटिव रिज़ल्ट की आशा कर रही है

- कांग्रेस का खुद का आकलन यह भी है कि, जयपुर रूरल, भरतपुर, कोटा तथा टोंक, सवाईमाधोपुर में भी कांटे की टक्कर दे सकती है।
- कांग्रेस का मानना है कि, 10 साल के शासन के बाद, मोदी "एन्टी इन्कम्बैंसी" का शिकार होंगे तथा सचिन पायलट का आक्रामक (अग्रैसिव) प्रचार भी कुछ अच्छे नतीजे की आशा जगाता है। हालांकि यह भी सच है कि, पूर्व मु.मंत्री का फोकस अपने बेटे की सीट पर ही है तथा अन्य सीटों को वो नज़रअंदाज़ कर रहे हैं।
- गहलोत के चुनाव प्रबंधन व प्रचार के कारण ही, उनके पुत्र का चुनाव प्रचार कुछ जीवित सा है, अगर वैभव गहलोत पर ही चुनाव प्रचार की जिम्मेवारी होती तो, शायद चुनाव प्रचार जमने से पहले ही उखड़ जाता।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 अप्रेल। राजस्थान के गत दो लोकसभा चुनावों (2014 और 2019) में कांग्रेस की करारी हार हुई थी, जिनमें पार्टी को एक भी सीट नहीं मिली थी, पर 2024 के लोकसभा चुनाव का माहौल कांग्रेस के पक्ष में बदलता हुआ लग रहा है। बाड़मेर, दौसा, चूरू और झुंझुनूं में कांग्रेस अच्छा कर रही है, वहां उम्मीद है कि भाजपा हार जाएगी।

इसके अलावा जयपुर ग्रामीण, भरतपुर, कोटा और टोंक में भी कांग्रेस अच्छी टक्कर दे रही है और इनमें से कुछ सीटें भाजपा से छीन भी सकती है। इस बार कांग्रेस को कुछ सीटें जीतने की उम्मीद है।

सूत्रों का कहना है कि इन क्षेत्रों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की छवि का असर कम हो रहा है। दस साल के शासन के खिलाफ बनी सरकार विरोधी लहर का असर नरेन्द्र मोदी की छवि पर पड़ रहा है। इसी के साथ राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में सचिन पायलट के धूआंधार प्रचार ने पार्टी को खोया जनाधार पुनः पाने में भारी मदद की है। अशोक गहलोत का पूरा फोकस तो अपने बेटे के चुनाव प्रचार पर है जो जालोर-सिरोही से चुनाव लड़ रहे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तृणमूल कांग्रेस ने अपना चुनाव घोषणा पत्र जारी किया

- इस घोषणा पत्र में ममता बनर्जी की राष्ट्रीय नेता बनने की महत्वकांक्षा का ज्यादा पुट नज़र आया बनिस्पत तृणमूल पार्टी के प्रदेश स्तर की पार्टी होने की सच्चाई के।
- ममता की समस्या यह है कि, वे किसी भी पार्टी से कांग्रेस या मार्क्सवादी पार्टी से कोई सीटों के बंटवारे के बारे में कोई समझौता करने को तैयार नहीं।
- इसी कारण ममता बनर्जी, इण्डिया गठबंधन से लगभग बाहर सी ही हैं।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 अप्रेल। तृणमूल कांग्रेस ने आज अपना चुनाव घोषणा पत्र जारी किया। यह तृणमूल को एक क्षेत्रीय पार्टी के बजाए, उसकी राष्ट्रीय प्रासंगिकता साबित करने की एक विस्तृत कवायद है।

पार्टी का घोषणा पत्र न्यूनतम समर्थन मूल्य को लेकर दिल्ली में आंदोलन कर रहे किसानों को समर्थन देने का वादा करता है। पार्टी ने सत्ता में आने की स्थिति में पैट्रोलियम पदार्थों की स्थिर कीमतों, देश में गरीबी की सीमा रेखा से नीचे के प्रत्येक परिवार को 10 निःशुल्क एल.पी.जी. गैस सिलैण्डर और सी.ए.ए. के उन्मूलन का भी वादा कर रही है।

आश्चर्य की बात यह है कि ममता बनर्जी ने एक स्थानीय टी.वी. चैनल को दिए एक साक्षात्कार में पराजय जैसी बात की। उन्होंने कहा कि यदि उन्हें जेल भेज दिया जाए तो उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ेगा। इससे उन्हें बढ़त ही मिलेगी।

पार्टी की समस्या यह है कि उसने इण्डिया गठबंधन के साथ सीट शेयरिंग फॉर्मूला करने या बंगाल में सी.पी.आई. (एम.) और कांग्रेस के लिए कोई भी सीट छोड़ने से इन्कार कर दिया था। राष्ट्रीय स्तर पर तो तृणमूल कांग्रेस, इण्डिया गठबंधन से एक तरह से बाहर ही है।

तृणमूल की एक राष्ट्रीय पार्टी बनने की आकांक्षाएं बढ़ रही है, लेकिन इसके बावजूद उसने राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन का खेल खेलने से इन्कार कर दिया। तृणमूल के बंगाल से बाहर चुनाव लड़ने वाले नाम मात्र के प्रत्याशी हैं। इनमें से एक असम के सिलचर से एक और दूसरा उत्तर प्रदेश में है, वह भी अखिलेश यादव की मदद से।

ममता की राष्ट्रीय प्रतिबद्धता का एकमात्र संकेत यह है कि जिस दिन तृणमूल का घोषणा पत्र जारी किया गया, वह स्वयं असम में चुनाव प्रचार कर रही थीं।

इस बीच, इण्डिया गठबंधन की एक अन्य सहयोगी पार्टी ने पूरे देश में विवादित स्थिति पैदा कर दी है कि यदि वह सत्ता में आयी तो भारत के परमाणु अस्त्रों और सारे परमाणु संस्थानों को समाप्त कर देगी।

घोषणा पत्र के अलग घटक सी.पी.आई. (एम.) और कांग्रेस की तर्ज पर ही है, जिनसे बंगाल के लिए चुनाव घोषणा पत्र आधारभूत काम की कमी दिखाई पड़ती है।

दूसरी ओर, पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी.बी. आनन्द बोस ने शुक्रवार को उत्तरी बंगाल में स्वयं उपस्थित रहना प्रस्तावित किया है। चुनाव आयोग ने राज्यपाल से कहा है कि वह उत्तर बंगाल के निर्वाचन क्षेत्रों में ना जाए क्योंकि ऐसा करना आदर्श चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन होगा।

विचार बिन्दु

कोई भी भाषा अपने साथ एक संस्कार, एक सोच, एक पहचान और प्रवृत्ति को लेकर चलती है। – भरत प्रसाद

बानी ऐसी बोलिये, मन का आपा खोय औरन को सीतल करै, आपहु सीतल होय

देश में चुनाव आते ही कटु वचनों की बाढ़ सी आ जाती है। कटु वचन एक ऐसे जहर के सामान है जो भले ही पिया न जाये लेकिन वह असर जहर से भी तेजी से करता है। कटु वचन मित्र को भी शत्रु बनाते देर नहीं करता। देश में चुनावों के दौरान कटुता का जैसा सियासी वातावरण बन रहा है वह निश्चय ही हमारी एकता, अखंडता, भाईचारे और सहिष्णुता पर गहरी चोट पहुँचाने वाला है। इसके लिए कौन दोषी है और कौन निर्दोष है उस पर देशवासियों को गहनता से मंथन करने की जरुरत है। जो लोग कटु वचन बोलते हैं और अपने वचनों से अन्य लोगों का मन दुखाते हैं। ऐसे लोगों के लिए रहीम दास जी ने अपने दोहे में बड़ी सीख दी है। रहीम दास जी ने कहा है, **''बानी ऐसी बोलिये, मन का आपा खोय। औरन को सीतल करै, आपहु सीतल होय।''**

देश को अमूमन हर साल कोई न कोई चुनाव का सामना करना ही पड़ता है । जैसे ही चुनाव आते है नेताओं के बांछे खिल जाती है । गंदे और कटु बोलों से चुनावी बिसात बिछ जाती है। पिछले दो दशक से गंदे और विवादित बोल बोले जा रहे है। नेताओं के बयानों से गाहे बगाहे राजनीति की मर्यादाएं भंग होती रहती है। अमर्यादित बयानों की जैसे झड़ी लग जाती है। राजनीति में बयानबाजी का स्तर इस तरह नीचे गिरता जा रहा है उसे देखकर लगता है हमारा लोकतंत्र तार तार हो रहा है।

नेता लोग अक्सर चर्चा में रहने के लिए ऊल-जलूल और समाज में कटुता फैलाने वाले बयान देते रहते है। विशेषकर चुनावों के दौरान गंदे बोलों से चुनावी बिसात बिछ जाती है। कुछ सियासी नेताओं ने तो लगता है विवादित बयानों का ठेका ले रखा है। कई नेताओं पर विवादित बयानों पर मुक़दमे भी दर्ज़ हुए। कुछ को न्यायालय से सजा भी मिली। मगर इसका उनपर कोई फर्क नहीं पड़ा। विवादित बयानबाजी के कारण सुर्खियों में रहना नेताओं को शायद आनंद देने लगा है। पिछले दो दशक से गंदे और विवादित बोल बोले जा रहे है। नेताओं के बयानों से गाहे बगाहे राजनीति की मर्यादाएं भंग होती रहती है। अमर्यादित बयानों की जैसे झड़ी लग जाती है। राजनीति में बयानबाजी का स्तर इस तरह नीचे गिरता जा रहा है उसे देखकर लगता है हमारा लोकतंत्र तार तार हो रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने भी नफरत फैलाने वाले भाषण को देश के धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने को प्रभावित करने वाला गंभीर अपराध करार दिया है। अदालत ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की पुलिस को निर्देश दिया कि वे स्वत: संज्ञान लेकर कार्रवाई करें। शीर्ष अदालत ने कहा कि ऐसे भाषण देने वालों के खिलाफ मामला दर्ज करें, भले ही उनका धर्म कुछ भी हो। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा कि राज्य सरकारें नफरत भरे भाषणों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए बाध्य हैं।

लोकसभा चुनाव के चलते नेताओं के बीच विवादित बयानबाजी का दौर जारी है। जिस तरह से एक के बाद एक नेता विवादित बयान दे रहे हैं, उसकी वजह से चुनावी माहौल में सरगर्मी बढ़ गई है। विवादित बयान देने में कांग्रेस और भाजपा सहित कोई भी नेता पीछे नहीं है। कहते है राजनीति के हमाम में सब नंगे है। यहाँ तक तो ठीक है मगर यह नंगापन हमाम से निकलकर बाजार में आजाये तो फिर भगवान ही मालिक है। सियासत में विवादास्पद बयान को नेता भले अपने पॉपुलर होने का जरिया मानें, लेकिन ऐसे बयान राजनीति की स्वस्थ परंपरा के लिए ठीक नहीं होते। हमारे माननीय नेता आजकल अक्सर ऐसी भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे हमारा सिर शर्म से झुक जाता है। देश के नामी-गिरामी नेता और मंत्री भी मौके-बेमौके कुछ न कुछ ऐसा बोल ही देते हैं, जिसे सुनकर कान बंद करने का जी करता है।

चुनाव जीतने के लिए वातावरण को कटु और विषैले वचनों से जहरीला बनाया जाता है। फिर चुनाव जीतने के बाद नेता अपनी झोली भरने में लग जाते है। जितने पैसे चुनाव में लगाए है उनके पुनर्भरण की जुगत बैठाते है। गरीब की भलाई के स्थान पर अपने कुनबे को आगे बढ़ाने में लग जाते है। असल में चुनाव ही नेताओं की अग्नि परीक्षा है। जनता को खूब सोच समझ कर अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए अन्यथा पांच साल के लिए फिर भैंस गई पानी में।

भारत सदा सर्वदा से प्यार और मोहब्बत से आगे बढ़ा है। हमारा इतिहास इस बात का गवाह है हमने कभी असहिष्णुता को नहीं अपनाया। हमने सदा सहिष्णुता के मार्ग का अनुसरण कर देश को मजबूत बनाया। सहिष्णुता का अर्थ है सहन करना और असहिष्णुता का अर्थ है सहन न करना। सब लोग जानते हैं कि सहिष्णुता आवश्यक है और चाहते हैं कि सहिष्णुता का विकास हो। सहिष्णुता केवल उपदेश या भाषण देने मात्र से नहीं बढ़ेगी। सहिष्णुता भारतीय जनजीवन का मूलमंत्र है। मगर देखा जा रहा है कि समाज में सहिष्णुता समाप्त होती जा रही है और लोग एक दूसरे के खिलाफ विषाक्त वातावरण बना रहे है जिससे हमारी गौरवशाली परम्पराओं के नष्ट होने का खतरा मंडराने लगा है। जीवन में आगे बढ़ने के लिए सहनशील होना आवश्यक है। सहनशीलता व्यक्ति को मजबूत बनाती है, जिससे वह बड़ी से बड़ी परेशानी का डटकर मुकाबला कर सकता है। अक्सर देखा जाता है हम छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा कर देते हैं, जिससे बात आगे बढ़ जाती है और अनिष्ट भी हो जाता है। ऐसी ही छोटी-छोटी बातों को मुस्कुराते हुए सुनने वाला व्यक्ति ही सहनशील है। सहनशीलता का शब्दिक अर्थ है शरीर और मन की अनुकूलता और प्रतिकूलता को सहन करना।

मानव व्यक्तित्व के विकास और उन्नयन का मुख्य आधार तत्व सहिष्णुता है। स्वयं के विरूद्ध किसी भी आलोचना को स्वीकार नहीं करना मोटे रूप में असहिष्णुता है। सहिष्णुता मनुष्य को दयालु और सहनशील बनाती है वहीं असहिष्णुता मनुष्य को अहंकारी बनाती है। अहंकार अंधकार का मार्ग है जो मनुष्य और समाज का सर्वनाश कर देती है।

आम आदमी से जुड़े मुद्दों जैसे बेहतर आधारभूत सुविधाएँ, सामाजिक न्याय, सब के लिए शिक्षा और रोजगार, भ्रष्टाचार से मुक्ति, शासन प्रशासन में पारदर्शिता इत्यादि से देश के हर नागरिक को जूझना ही पड़ता है। आम आदमी की परेशानियों से किसी को कोई मतलब नहीं है। महंगाई से आम आदमी को जूझना पड़ेगा। चुनाव मे करोड़ों अरबों की धनराशि स्वाहा हो जाती है। चुनाव लोकतंत्र की परीक्षा होती है और इस परीक्षा में राजनीतिक दलों को यह साबित करना होता है कि जनता के बीच उनकी स्वीकार्यता और लोकप्रियता कितनी है। लोकतंत्र की परीक्षा पास करने के लिए राजनीतिक दल चुनाव में जनता के बीच जाते है। अपने मुद्दे रखते है और बताते है कि चुनाव जीतने के बाद वे जनता की भलाई के लिए क्या कदम उठाएंगे। मगर वास्तविकता इससे ठीक विपरीत है। चुनाव जीतने के लिए वातावरण को कटु और विषैले वचनों से जहरीला बनाया जाता है। फिर चुनाव जीतने के बाद नेता अपनी झोली भरने में लग जाते है। जितने पैसे चुनाव में लगाए है उनके पुनर्भरण की जुगत बैठाते है। गरीब की भलाई के स्थान पर अपने कुनबे को आगे बढ़ाने में लग जाते है। असल में चुनाव ही नेताओं की अग्नि परीक्षा है। जनता को खूब सोच समझ कर अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए अन्यथा पांच साल के लिए फिर भैंस गई पानी में। नेता जाति, धर्म और पैसे की राजनीति से खेलते है मगर मतदाता को इन प्रलोभनों से हट कर अपना मत डालना है। उसे उसी को चुनना है जो उसका सही मददगार है अन्यथा फिर पांच साल पछताना पड़ेगा और इसके लिए कोई दूसरा दोषी नहीं होगा।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

राशिफल गुरूवार 18 अप्रेल, 2024

पंडित अनिल शर्मा

चैत्र मास, शुक्ल पक्ष, दशमी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2081, आश्लेषा नक्षत्र प्रात: 7:57 तक, गंड योग रात्रि 12:43 तक, गर करण सांय 5:32 तक, चन्द्रमा आज प्रात: 7:57 से सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मेष, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-कुम्भ, बुध-मीन, गुरू-मेष, शुक्र-मीन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज ज्वालामुखी योग प्रात: 7:57 तक है। रवियोग आज सम्पूर्ण दिन-रात रहेगा। आज नवरात्रौत्थान्पन, नवरात्र व्रत पारणा और धर्मराज दशमी है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:39 तक, चर 10:51 से 12:26 तक, लाभ-अमृत 12:26 से 3:37 तक, शुभ 5:13 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:04, सूर्यास्त 6:49

मेष
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
धार्मिक स्थान की यात्रा हो सकती है। शुभ-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। धार्मिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। धन हानि हो सकती है। आज घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा।

मकर
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

मिथुन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। व्यक्तिगत प्रयासों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। आर्थिक मामलों में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

तुला
मन में असंतोष बना रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कुंभ
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ बनी रहेगी। धार्मिक स्थान की संभव है।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। आज विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा।

नरेन्द्र मोदी व सिख समुदाय– एक अनूठा रिश्ता

जसबीर सिंह

गत 10 वर्षों के शासन काल में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा एक समावेशी व एकजुट समाज के निर्माण हेतु प्रयास किये गये हैं जिससे एक विकसित व विश्वगुरू भारत के सपने को यथाशीघ्र यथार्थ में बदला जा सके। इस हेतु लालकिले की प्राचीर से 15 अगस्त 2022 में दिये गये पंच प्रणों को यथा 'अमृतकाल' में विकसित भारत, गुलामी की हर सोच से मुक्ति, विरासत पर गर्व, एकता और एकजुटता व नागरिकों द्वारा अपने कर्त्तव्यों का पालन समाज के सभी वर्गों द्वारा पूरी तरह अपने जीवन में लागू करना आवश्यक है।

श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश की सभी धार्मिक, सांस्कृतिक व आध्यात्मिक परम्पराओं के प्रति आदर व गर्व का भाव रहा है जो उनके द्वारा कराये गये कार्यों उद्बोधनों में परिलक्षित होता है। इसी कड़ी में सिख समुदाय के प्रति भी उनका संवेदनशीलता व सम्मान का भाव रहा है जिसके दो प्रमुख कारण हैं। पहला, गुरूनानक देवजी से लेकर गुरू गोबिन्द सिंह जी तक सभी दस गुरूओं ने भारत की आध्यात्मिक, धार्मिक, सामाजिक व सांस्कृतिक एकता को एक माला में पिरोने का अद्‌भुत कार्य किया था। सिखों के 11वें गुरू गुरूग्रन्थ साहिब में 6 सिख गुरूओं के साथ-साथ उस समय तक के 30 अन्य महान् संतों यथा कबीर जी, मीरा के गुरू रविदास जी, धन्ना जी, नामदेव जी, शेख फरीद जी, त्रिलोचन जी, पीपा जी आदि की वाणी सम्मिलित है जो देश की अलग-अलग जातियों व क्षेत्रों के थे। प्रत्येक सिख, गुरूओं जैसा ही अदब व सम्मान का भाव इन संतों व महापुरूषों के प्रति रखता है। दूसरा, सिख गुरूओं ने अपने जीवन सहित अपना सब कुछ इस महान् राष्ट्र व धर्मरक्षा हेतु बलिदान व न्यौछावर कर दिया था। उपरोक्त दो कारणों से श्री नरेन्द्र मोदी का सिख गुरूओं के प्रति अगाध श्रद्धा व सम्मान का भाव रहा है। जून 1975 से जनवरी 1977 के आपातकाल के दौर में जब तत्कालीन शासकों द्वारा कवि दुष्यन्त कुमार के शब्दों में पूरे देश को अंधेरी कोठरी में तब्दील कर दिया था उस काल में श्री नरेन्द्र मोदी ने सिख वेशभूषा में ही भय व लोकतंत्र हनन के खिलाफ संघर्ष किया था।

इस नाते वर्तमान प्रधानमंत्री का बपचन से ही सिख समुदाय के प्रति संवेदनशील भाव रहा है जो उनके द्वारा गत 10 वर्षों में किये गये अनेक कार्यों से परिलक्षित होता है।

1984 में सिख विरोधी दंगे व कत्लेआम भारत के स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद का सबसे काला अध्याय है जिसमें तत्कालीन सरकार की आंखों के सामने देश की राजधानी दिल्ली व अनेक शहरों में दंगे हुये जिनमें हजारों निरपराध सिखों की निर्मम हत्या हुयी। दंगों के बाद 30 वर्षों तक दंगा प्रभावित परिवार न्याय का इंतजार करते रहे। वर्तमान सरकार ने 2014 में आने के बाद स्पेशल इंवेस्टीगेशन टीम (एच्ऊ) का गठन किया जिससे कई नामी गिरामी व्यक्ति जेलों के सींखचों के पीछे हैं।

करतारपुर साहिब के साथ प्रत्येक सिख का भावनात्मक जुड़ाव है जहाँ पर गुरूनानक देवजी ने अपने जीवन के अन्तिम 22 वर्ष गुजारे थे तथा वहां 'नाम जपो किरत करो वंड छको' के वचन अनुसार खेती करते थे। यह क्षेत्र 1947 के पश्चात् पाकिस्तान में चला गया था व गत कई सरकारों ने सिखों की अनेक अपीलों के बावजूद कोई ठोस पहल नहीं की। वर्तमान केन्द्र सरकार ने ठोस पहल करके करतारपुर कोरिडोर का निर्माण करके देश को समर्पित किया। लाखों श्रद्धालु आज बिना रोक-टोक व पूरी सुविधाओं के साथ करतारपुर साहिब गुरूद्वारे के दर्शन कर रहे हैं।

2016 में सर्वंशदानी साहिबे कमाल गुरू गोबिन्दसिंह जी का 350वाँ प्रकाश पर्व मनाने की घोषणा वर्तमान केन्द्र सरकार द्वारा की गयी व 100 करोड़ रुपये का फण्ड इसके लिये घोषित किया गया। इस राशि में से 4 करोड़ की ग्रान्ट द्वारा राजस्थान विश्वविद्यालय में भी श्री गुरूगोबिन्द सिंह चेयर फॉर नेशनल इंटिग्रेशन एण्ड सिख स्टडीज की स्थापना की गयी। इस 100 करोड़ के फण्ड द्वारा देश के प्रमुख स्थानों पर गुरू गोबिन्द सिंह जी के शौर्य व बलिदान की गाथा को चिरस्थायी बनाया गया जिससे हमारी युवा पीढ़ी निरन्तर प्रेरित होती रहे।

2019 में गुरूनानक देवजी के 550 वाँ प्रकाश पर्व पर केन्द्र सरकार के निर्देशों के परिणामस्वरूप उनकी जीवनी व संदेश पर दुनियां में स्थित सभी भारतीय दूतावासों में आयोजन किये गये जो पहली बार हुआ तथा गुरूनानक देवजी की महिमा व उनके संदेश का गुणगान हुआ। 550वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में केन्द्र सरकार द्वारा अमृतसर विश्वविद्यालय में विश्व स्तर के 'गुरूनानक देव सेन्टर फार इंटरफेथ डायलॉग' की स्थापना की गयी जिसका निर्माण कार्य जारी है। इस बेहतरीन सेन्टर के निर्माण, क्रिया-कलापों हेतु लगभग 400 करोड़ की राशि का व्यय होने की संभावना है। इसी तरह हिन्द की चादर व जनेऊ तथा तिलक की रक्षा हेतु चांदनी चौक दिल्ली में सीसगंज पर अपना बलिदान देने वाले गुरू तेग बहादुर जी का 400वाँ प्रकाशपर्व केन्द्र सरकार की घोषणा के अनुरूप मनाया गया वह उल्लेखनीय है। लाल किले (जहां से 1675 में तत्कालीन शासक द्वारा उनको शहीद करने का आदेश दिया गया था) के परिसर में 400 रागी जत्थों का शबद कीर्तन कराया गया जिसमें वर्तमान प्रधानमंत्री जी स्वयं काफी समय तक मौजूद रहे तथा गुरूजी के बलिदान व शहादत को नमन किया।

हम सभी को मालूम है कि गुरू गोबिन्द सिंह जी ने धर्म व देश की रक्षा के लिये वंदनीय बलिदान दिये थे। उनके दो साहिबजादे युद्ध के मैदान में तथा दो साहिबजादे तत्कालीन शासकों के निर्दयी आदेशों से जिन्दा दीवार में चिनवा दिये गये थे। यह इतिहास आजादी के बाद के शासकों को भी पता था लेकिन पूरी सजगता के साथ वर्तमान प्रधानमंत्री जी ने ही 26 दिसम्बर को प्रत्येक वर्ष 'वीर बाल दिवस' मनाने की घोषणा की जिससे समाज के युवाओं व बच्चों सहित सभी वर्ग साहिबजादों की शहादत को जाने सकें व नमन कर सकें। सीबीएसई के देश में सभी विद्यालयों में यह दिवस पूरी शिद्दत व अदब के साथ मनाया जा रहा है।

अर्द्धसैनिक बलों जैसे केन्द्रीय इण्डस्ट्रीयल सुरक्षा बल (CISF), 'सीमा सुरक्षा बल' (BSF), 'केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल' (CRPF) जैसी भर्तियों की परीक्षा के लिये गुरूमुखी भाषा में भी परीक्षा देने का निर्देश केन्द्र सरकार द्वारा दिये गये जिससे पंजाब व देश के अन्य भागों में रह रहे पंजाबी भाषी युवाओं को रोजगार व देशसेवा का लाभ मिलेगा।

इसी तरह बद्रीनाथ, केदारनाथ के मार्ग पर सिखों का बहुत बड़ा तीर्थस्थल श्री हेमकुण्ट साहिब है जहाँ पर विशाल संख्या में सिख श्रद्धालु प्रत्येक वर्ष दुर्गम मार्ग से जाते हैं व इस तीर्थ यात्रा में काफी समय लगता है। केन्द्र सरकार लगभग 1200 करोड़ रूपए खर्च करके वहां गोबिन्द घाट से **हेमकुण्ट साहिब** तक रोपवे का निर्माण कर रही है जिससे वहां जाने वालों को बहुत बड़ी सौगात मिल जायेगी। रोपवे बनाने के कार्य का उद्घाटन सितम्बर 2022 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किया गया।

अफगानिस्तान, पाकिस्तान व बांग्लादेश से आने वाले शरणार्थी सिखों को देश की नागरिकता देने का काम भी जिसे सी ए ए के माध्यम से वर्तमान केन्द्र सरकार ने किया। अफगानिस्तान में तालिबान का शासन पुन: आने के बाद वहाँ असुरक्षित हो गये श्री गुरूग्रन्थ साहिब को पूरे अदब व मर्यादा के साथ देश में सुरक्षित लेकर आने के लिये विशेष विमानों की व्यवस्था करायी गयी। उनके द्वारा समय-समय पर प्रधानमंत्री निवास पर सिख समुदाय के सभी वर्गों के प्रभावी नेतृत्वकर्ताओं व प्रबुद्धजनों को आमंत्रित किया जाता है तथा संवेदनशील मुद्दों व समस्याओं पर खुलकर संवाद किया जाता है जो प्रशंसनीय है।

–जसबीर सिंह,
पूर्व अध्यक्ष राजस्थान अल्प संख्यक आयोग व अध्यक्ष सलाहकार समिति, गुरू गोबिन्द सिंह चेयर फार नेशनल इंटिग्रेशन एण्ड सिख स्टडीज, राजस्थान विश्वविद्यालय

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के निर्वाचन पर संभावित प्रभाव

प्रो. अशोक कुमार

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जेनेरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (उँघ) से आर्टिफिशियल जनरल इंटेलिजेंस (ँउघ) की ओर बढ़ने के साथ, निर्वाचन पर इसके संभावित प्रभाव को संबोधित करना महत्त्वपूर्ण होता जा रहा है। निर्वाचन पर इसका प्रभाव, जिसका उदाहरण भारत के आगामी चुनावों से मिलता है, जो इसके संभावित प्रभाव को संबोधित करने की अनिवार्यता को रेखांकित करता है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ँघ) चुनावों पर प्रभाव डाल सकता है, निर्णय लेने में मदद कर सकता है, और राजनीतिक प्रक्रिया को परिचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

अभियान रणनीति और लक्ष्यीकरण: राजनीतिक दल और उम्मीदवार अपने अभियान संदेशों को अनुकूलित करने तथा विशिष्ट मतदाता समूहों को अधिक प्रभावी ढंग से लक्षित करने के लिये जनसांख्यिकी, सोशल मीडिया गतिविधि एवं पूर्व मतदान व्यवहार सहित मतदाताओं के बारे में अधिक डेटा का विश्लेषण करने के लिये कृत्रिम बुद्धिमत्ता एल्गोरिदम का उपयोग कर सकते हैं। पूर्वानुमानित विश्लेषण: कृत्रिम बुद्धिमत्ता-संचालित पूर्वानुमानित विश्लेषण मतदान डेटा, आर्थिक संकेतक और सोशल मीडिया से लोगों के रुख का विश्लेषण जैसे विभिन्न कारकों का विश्लेषण करके निर्वाचन परिणामों की पूर्वानुमान लगा सकता है। इससे दलों को रणनीतिक रूप से संसाधन आवंटित करने और प्रमुख चुनाव क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने में मदद मिल सकती है। मतदाता सहभागिता: चैटबॉट व वर्चुअल असिस्टेंट सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर मतदाताओं के साथ जुड़ सकते हैं, सवालों के जवाब दे सकते हैं, उम्मीदवारों तथा नीतियों के बारे में जानकारी प्रदान कर सकते हैं तथा यहाँ तक कि मतदाता मतदान को प्रोत्साहित भी कर सकते हैं। इससे मतदाताओं की भागीदारी और चुनावी प्रक्रिया में भागीदारी बढ़ सकती है। सुरक्षा और अखंडता: मतदाता दमन, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग सिस्टम के साथ छेड़छाड़ और दुष्प्रचार के प्रसार सहित चुनावी धोखाधड़ी का पता लगाने तथा रोकने के लिये -संचालित उपकरणों का उपयोग किया जा सकता है। डेटा में पैटर्न और विसंगतियों का विश्लेषण करके एल्गोरिदम चुनावी प्रक्रिया की अखंडता सुनिश्चित करने में मदद कर सकते हैं। डेटा विश्लेषण: डेटा को विश्लेषण करके मतदाताओं के विचारों और अभिप्रायों का समर्थन करने में मदद कर सकता है। यह पारंपरिक रूप से संभावित चुनावी परिणामों को पूर्वानुमानित करने में मदद कर सकता है।समाज और मीडिया की निगरानी: सोशल मीडिया और अन्य ऑनलाइन स्त्रोतों को मॉनिटर करके व्यक्तियों के विचारों, अभिप्रायों, और रुझानों का अध्ययन कर सकता है। इससे राजनीतिक मुद्दों और ट्रेंडों का पता लगाना और उसका विश्लेषण करना संभव होता है। चुनावी योजना और संगठन: राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को चुनावी योजनाओं को अनुकूलित करने में मदद कर सकता है। यह डेटा विश्लेषण, चुनावी प्रचार, और मतगणना में सहायक हो सकता है। मतदान की सुविधा: मतदान प्रक्रिया को सुधारने और इसे अधिक उपयोगी और अधिक सुरक्षित बनाने में मदद कर सकता है। इसमें वोटर आईडेंटिटी की प्रमाणित करने, वोटिंग के लिए आवश्यक दस्तावेज़ों को जांचने, और वोटिंग प्रक्रिया को सुरक्षित रखने जैसे काम शामिल हो सकते हैं। लेकिन, का इस प्रकार का प्रयोग भी निरंतर विवाद का विषय रहता है। कुछ लोग इसे निजी और सामाजिक न्याय के मामलों में हस्तक्षेप करने का संदेश देते हैं। इसलिए, अधिकांश राष्ट्रों में के उपयोग के लिए सख्त नियम और नियंत्रण होते हैं।

का उपयोग मतदान प्रक्रिया को सुधारने और सुरक्षित बनाने में कई तरीकों से किया जा सकता है। यहाँ कुछ महत्वपूर्ण कदम हैं: वोटर आईडेंटिटी की प्रमाणित करना: सुरक्षित बायोमेट्रिक्स तकनीकों का उपयोग करके वोटरों की पहचान को सुनिश्चित कर सकता है, जैसे कि आईरिस स्कैनिंग या फेस रिकग्निशन। यह गलत या अनुचित वोटिंग को रोक सकता है। सिस्टम में डिजिटल सुरक्षा को मजबूत करना: सिस्टमों को हैकिंग और अनधिकृत पहुंच से बचाने में मदद कर सकता है। इसमें डेटा एन्क्रिप्शन, साइबर सिक्योरिटी सॉफ़्टवेयर, और एंटी-फिशिंग तकनीकों का उपयोग शामिल हो सकता है।डेटा एनालिटिक्स का उपयोग: विश्लेषण क्षमताओं का उपयोग करके वोटरों के अभिप्रायों का विश्लेषण कर सकता है, जिससे राजनीतिक दल और चुनावी अधिकारी वोटरों के मुद्दों और आवश्यकताओं को समझ सकते हैं। वोटिंग प्रक्रिया में ऑटोमेशन: वोटिंग प्रक्रिया को ऑटोमेट करके मतदान की सुविधा बढ़ा सकता है। इसमें स्वचालित वोटिंग मशीनों और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग के तंत्रों का उपयोग शामिल हो सकता है। वोटिंग प्रक्रिया में नेतृत्व: राजनीतिक प्रशासन और वोटिंग प्रक्रिया में नेतृत्व की भूमिका निभा सकता है, जिससे सुनिश्चित हो सकता है कि प्रक्रिया संवेदनशील और निष्पक्ष हो।

ये सभी कदम मिलकर मतदान प्रक्रिया को सुरक्षित, सुविधाजनक, और निष्पक्ष बनाने में मदद कर सकते हैं। लेकिन, इस प्रकार की प्रौद्योगिकी का उपयोग करने से पहले नियमों, नियंत्रणों, और गोपनीयता के मामले पर विचार किया जाना चाहिए

–प्रो. अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर, गोरखपुर विश्वविद्यालय

भ्रमित और बिखरे हुए विपक्ष का हारा हुआ चुनाव

सुरेन्द्र चतुर्वेदी, जयपुर

2024 के आम चुनाव प्रारम्भ होने वाले हैं, पहले चरण का चुनाव 19 अप्रेल को होगा और अब जबकि मतदान होने में तीन दिन बाकी बचे हैं, भाजपा के विपक्षी दल मतदाताओं को यह बता पाने में विफल रहे हैं कि उन्हें वोट क्यों दिया जाए और भाजपा को क्यों नहीं ? दस साल सत्ता से बाहर रहने के बाद भी ये दल भाजपा के खिलाफ एक वैकल्पिक नेतृत्व और कार्ययोजना तक नहीं बना सके। इससे तो यह ही सिद्ध हो रहा है कि विपक्ष सिर्फ खानापूर्ति के लिए ही चुनाव मैदान में है।

इन चुनावों का सबसे मजेदार और रोचक तथ्य यह है कि कथित इंडिया एलांयस में जितने भी दल हैं, सबके अपने अपने घोषणा पत्र हैं। सबकी अपनी अपनी दुनिया है, सबके अपने-अपने सपने और वादे हैं। ऐसा कहीं से नहीं लगता कि विपक्ष एकजुट है और वो भाजपा सरकार के कामकाज के विरोध में एक मजबूत कार्ययोजना को मतदाता के सामने प्रस्तुत कर रहे हैं। वे केवल जातीय वैमनस्यतायुक्त समीकरण, मुस्लिम वोट बैंक के तुष्टिकरण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आलोचना, विदेशों में बैठे भारत विरोधियों की मदद और जांच ऐजेसियों की भ्रष्ट नेताओं के खिलाफ की जा रही कार्यवाही के विरोध में जनता से वोट मांगने जा रहे हैं। इसमें एक रोचक तथ्य यह भी है कि इंडिया एलाएंस अपनी कमजोरी, बौनेपन और नाकामी का श्रेय भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को देते हुए आरोपित कर रहे हैं कि उनके कारण विपक्ष सशक्त नहीं हो पा रहा है।

हां, एक बात जरूर है कि ये सभी दल भारत के मुस्लिम मतदाताओं पर निर्भर हैं, उनका यह मानना है कि भारत के मुस्लिम मतदाता किसी भी और कैसी भी हालत में भारतीय जनता पार्टी के विरोध में उनको ही अपना वोट देंगें। इसी लालच में इन दलों में ना केवल सनातन धर्म परम्परा का मजाक उडाया है अपितु राम जन्मभूमि पर बने मंदिर के लोकार्पण में जाने से भी मना कर दिया।

यह भी रोचक तथ्य है कि भाजपा के दस साल के राज से सर्वाधिक दुखी और त्रस्त कांग्रेस जो स्वयंभू रूप से इस विपक्षी एकजुटता का नेतृत्व कर रही है, वो स्वय भारत के इतिहास में सबसे कम सीटों पर चुनाव लड़ रही है। भारत की संसद में बहुमत के लिए 272 का आंकड़ा जरूरी है और कांग्रेस 278 सीटों पर ही चुनाव लड़ रही है। केवल इसी एक तथ्य से समझा जा सकता है कि भाजपा को सत्ता से बाहर कर देने की विपक्ष की इच्छा कितनी बलवती और प्रभावी है ? इसमें भी विचार करने लायक तथ्य यह है कि उत्तर प्रदेश (80), बिहार (40), पश्चिम बंगाल (42), तमिलनाडू (39) और महाराष्ट्र (48) की 249 सीटों पर कांग्रेस सिर्फ 65 सीटों पर ही चुनाव लड़ रही है। तो क्या कांग्रेस की इस स्थिति को सहयोगी दलों के लिए उसका समर्पण माना जा सकता है? या ये स्थिति यह बता रही है कि कांग्रेस की राजनीतिक जमीन इन राज्यों में खत्म होने की ओर है और यह संभव है कि अगले लोकसभा चुनावों में कांग्रेस इस स्थिति में भी नहीं रहेगी कि उसे कोई अन्य राजनीतिक दल अपने बड़े और प्रभावी राजनीतिक साझीदार के रूप में स्वीकार करे।

राजस्थान जैसे राज्य में जहां कांग्रेस चार महिने पहले तक सत्ता में थी वहां उन्होंने तीन सीटें सीकर, नागौर और बांसवाड़ा समझौते में अन्य दलों को दे दी। इसका अर्थ यह है कि कांग्रेस में वह नैतिक साहस भी नहीं बचा है कि जहां वह अपने बूते चुनाव लड़ सकती थी, वहां पूरी ताकत के साथ चुनाव लड़ती। तो एक नैतिक रूप से पलायन कर चुके विपक्ष के सामने यदि भारतीय जनता पार्टी 370 और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन 400 से अधिक सीटें जीतने का लक्ष्य रखता है तो इसमें किसी आश्चर्य की बात करना राजनीतिक रूप से नासमझी ही कहा जाएगा।

समस्या यह है कि वर्तमान विपक्ष मोदी सरकार की सत्यनिष्ठा, प्रतिबद्धता और प्रमाणिकता की आलोचना भले ही कर ले, पर वो मोदी सरकार को दागदार बता पाने में विफल रहा है। राफेल से लेकर इलैक्ट्रॉल बांड तक जितने भी मुद्दों को लेकर विपक्ष हमलावर हुआ है, वे सब विपक्ष के लिए ही नुकसानदेह साबित हुए हैं। इससे जनता में मोदी सरकार के प्रति ही विश्वास में बढ़ोतरी हुई है।

विपक्ष की यह स्थिति तब तक रहेगी, जब तक अन्य विपक्षी दल कांग्रेस से और कांग्रेस अंतत: गांधी परिवार से अपने आपको मुक्त नहीं कर लेती। असल में गांधी परिवार युक्त कांग्रेस एक अघोषित राजवंश में चापलूसों, राग दरबारियों और षडयंत्रकारियों का समूह भर है, जो बिना सत्ता के रह नहीं पा रहा और उसको किसी भी हालत में सत्ता में वापसी चाहिए। लेकिन उस राजवंश में उन लोगों का कोई स्थान नहीं है, जो राजनीतिक रूप से योग्य और समझदार हों। जो जनता की संवेदनाओं के साथ एकात्म हों। भारतीय राजनीति का यह दौर नए और प्रभावी नेतृत्व के उभार का है। जनता हर उस नेता को मान सम्मान देने के लिए आतुर है, जो उनके बीच का है, उन जैसा है और उनको समझता है। चाहे वो रेवंत रेडडी हों, के अन्नामलाई हों, सचिन पायलेट हों या हेमंत विश्व सरमा ।

यह लेखक के अपने निजी विचार हैं।

–सुरेन्द्र चतुर्वेदी, जयपुर,
सेंटर फॉर मीडिया रिसर्च एंड डवलपमेंट

फगड़ा घुड़ला का मेला आज

जोधपुर, (कासं)। फगड़ा घुड़ला कमेटी सिटी पुलिस के तत्वावधान में 18 अप्रैल को भोळावणी के दिन फगडा घुड़ला मेला निकाला जाएगा। कमेटी के अध्यक्ष भगवतीलाल शर्मा व सचिव रमेश गांधी ने बताया कि पूर्व की भांति इस बार भी मेला 18 अप्रैल को ओलंपिक रोड से रवाना होकर जालोरी गेट, पुष्टिकर स्कूल, खाण्डा फलसा, आडा बाजार, डागा बाजार, सर्राफा बाजार, मिर्ची बाजार, कपड़ा बाजार, सिटी पुलिस, कटला बाजार होते हुए देर रात्रि में घंटाघर पर विसर्जित होगा। मेले का मुख्य आकर्षण सबसे पीछे कमेटी सदस्य श्लील गायन करते हुए चलेंगे तथा घुड़ला स्त्री के वेश में गहनों से लकदक श्रृंगार करके पुरुष बीच में चलेगा। देर रात्रि में तूरजी के झालरे में घुड़ला विसर्जित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि केवल जोधपुर शहर में गत 57 वर्षो से फगड़ा घुड़ला कमेटी के तत्वावधान में प्रति वर्ष फगड़ा घुड़ला मेला शहर के भीतरी भागों में निकाला जाता रहा है। इस मेले में लोग विभिन्न स्वांग रचकर ट्रैक्टर, जीप, घोड़े व पैदल चलेंगे। साथ ही बैण्ड बाजे विभिन्न गानों पर अपनी स्वर लहरियां बिखेरते हुए साथ चलेंगे।

लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदाता अपने वोट का उपयोग करें : कलेक्टर

- कलेक्टर वृष्णि ने मतदान केन्द्र के पीठासीन अधिकारी के समक्ष अपना पहचान पत्र प्रस्तुत किया और सभी प्रक्रियाओं के बाद डाक मत पत्र के माध्यम से वोट डाला
- कलेक्टर ने पोस्टल बैलेट के जरिए मतदान की व्यवस्था का अवलोकन किया और इसकी प्रगति जानी

बीकानेर, (कासं)। जिला निर्वाचन अधिकारी नम्रता वृष्णि ने बुधवार को डूंगर कॉलेज में पोस्टल बैलट के जरिए मतदान किया।

वृष्णि ने मतदान केन्द्र के पीठासीन अधिकारी के समक्ष अपना पहचान पत्र प्रस्तुत किया और सभी प्रक्रियाओं के पश्चात डाक मत पत्र के माध्यम से वोट डाला। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए सभी मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करें।

उन्होंने कहा कि संविधान ने जो अधिकार दिए हैं, उनमें मताधिकार सबसे अहम है। यह राष्ट्र के प्रति हर मतदाता की जिम्मेदारी भी है। सभी मतदाता इस जिम्मेदारी को निभाएं और लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए वोट अवश्य करें।

उन्होंने पोस्टल बैलेट के जरिए मतदान की व्यवस्था का अवलोकन किया और इसकी प्रगति जानी। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. दूलीचंद मीणा, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सोहन लाल, अतिरिक्त कलेक्टर नगर उम्मेद सिंह रतनू, कोषाधिकारी धीरज जोशी, तहसीलदार रामेश्वर गढ़वाल आदि मौजूद थे।

स्याही का निशान दिखाने पर छूट : लोकसभा चुनाव में मतदान के पश्चात अंगुली पर लगी अमिट स्याही दिखाने पर बीकानेर के 71 प्रमुख प्रतिष्ठान 3 से लेकर 50 प्रतिशत तक की छूट देंगे। यह छूट 19 और 20 दोनों दिन लागू रहेगी।

जिला निर्वाचन अधिकारी नम्रता वृष्णि की पहल पर जिला उद्योग संघ ने यह नवाचार किया है। इनमें मार्ट, ज्वेलरी हाउस, ऑटो मोबाइल, मेडिकल, ब्यूटी पार्लर, होटल एंड रेस्टोरेंट, मिष्ठान भंडार, साड़ी, बैट्री, एयर कूलर, बड़ी, पापड़, आइसक्रीम, कैफे आदि सम्मिलित हैं।

मंगलवार को जिला उद्योग संघ के अध्यक्ष द्वारका प्रसाद पचीसिया ने उद्योग संघ की महाप्रबंधक मंजू नैन गोदारा, श्यामसुंदर सोनी, वीरेंद्र किराडू, रामरतन धारणिया, राकेश आहूजा, सुशील बंसल और सावन पारीक के साथ 71 प्रतिष्ठानों के ऑफर लेटर सौंपे। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि मतदाताओं को प्रेरित करने के लिए चलाये जा रहे अभियान की श्रृंखला में जिला उद्योग संघ द्वारा किया जा रहे नवाचार के सकारात्मक परिणाम आयेंगे।

उन्होंने कहा कि इससे मतदाता प्रेरित होंगे और मत प्रतिशत में वृद्धि होगी। जिला उद्योग संघ के अध्यक्ष पचीसिया ने कहा कि बीकानेर के उद्यमी नवाचार के लिए जाने जाते हैं। यह नवाचार प्रदेश के लिए नजीर बनेगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान में यह ऑफर दो दिन के लिए रखे गए हैं। आवश्यकता के अनुसार इसे और भी बढ़ाया जा सकेगा।

मतदान दलों का रेण्डमाईजेशन : लोकसभा आम चुनाव 2024 के अंतर्गत मतदान दलों व माइक्रो आब्जर्वर का तृतीय रेण्डमाईजेशन बुधवार को डीओआईटी वीसी कक्ष कलेक्ट्रेट परिसर श्रीगंगानगर में सामान्य पर्यवेक्षक लोकसभा क्षेत्र गंगानगर मनोज कुमार, जिला कलेक्टर एवं रिटर्निंग अधिकारी लोकबंधु एवं बीकानेर संसदीय क्षेत्र के सामान्य पर्यवेक्षक सौरभ भक्त की उपस्थिति में किया गया।

गंगानगर संसदीय क्षेत्र की विधानसभा सादुलशहर, गंगानगर, करणपुर, सूरतगढ़ एवं रायसिंहनगर के मतदान दलों एवं माइक्रो ऑब्जर्वर का तृतीय रेण्डमाईजेशन सामान्य पर्यवेक्षक लोकसभा क्षेत्र गंगानगर मनोज कुमार, जिला कलेक्टर एवं रिटर्निंग अधिकारी लोकबंधु की उपस्थिति में किया गया।

इसी प्रकार संसदीय क्षेत्र बीकानेर की विधानसभा अनूपगढ़ के मतदान दलों एवं माइक्रो ऑब्जर्वर का तृतीय रेण्डमाईजेशन सामान्य पर्यवेक्षक सौरभ भक्त की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी मृदुल सिंह, एडीएम प्रशासन वीरेन्द्र सिंह चौधरी, उपायुक्त वाणिज्य सन्नी प्रताप त्रिपाठी, सूचना विज्ञान अधिकारी परमजीत सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

पांचवीं बोर्ड परीक्षा की तैयारी जोरों पर

श्रीगंगानगर, (कासं)। प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय ने पांचवीं बोर्ड परीक्षा के प्रवेश पत्र शाला दर्पण पोर्टल पर जारी कर दिए हैं। पंजीयक शिक्षा विभागीय परीक्षाएं ने सभी संस्था प्रधानों व पीईईओ को विद्यालय लॉगिन से प्रवेश पत्र डाउनलोड कर परीक्षार्थियों को वितरित करने के निर्देश दिए हैं।

प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय ने पांचवीं बोर्ड परीक्षा के प्रवेश पत्र शाला दर्पण पोर्टल पर जारी कर दिए हैं। पंजीयक शिक्षा विभागीय परीक्षाएं ने सभी संस्था प्रधानों व पीईईओ को विद्यालय लॉगिन से प्रवेश पत्र डाउनलोड कर परीक्षार्थियों को वितरित करने के निर्देश दिए हैं। पांचवीं बोर्ड की परीक्षाएं 30 अप्रेल से शुरू होकर 4 मई तक तक चलेगी।

श्रीगंगानगर-अनूपगढ़ जिले के 641 परीक्षा केन्द्रों पर संचालित होगी। परीक्षा में दोनों जिलो में 30 हजार 729 परीक्षार्थी पंजीकृत है। परीक्षाएं सुबह 8 बजे से 10.30 बजे तक होगी। हालांकि लोकसभा चुनाव की वजह से परीक्षा के टाइम-टेबल में बदलाव किया गया था। पांचवीं बोर्ड के परीक्षार्थियों को बुकलेट में ही प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे।

शारीरिक शिक्षक भी तैयार कर सकेंगे राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी

- राज्य सरकार शारीरिक शिक्षकों को राष्ट्रीय क्रीड़ा संस्थानों में विभिन्न खेलों में एक वर्षीय नियमित डिप्लोमा इन स्पोर्ट्स कोचिंग में प्रवेश दिलाकर दक्ष करेगी

बीकानेर,(कासं)। सरकारी स्कूलों में विभिन्न खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार शारीरिक शिक्षकों को राष्ट्रीय क्रीड़ा संस्थानों में विभिन्न खेलों में एक वर्षीय नियमित डिप्लोमा इन स्पोर्ट्स कोचिंग में प्रवेश दिलाकर दक्ष करेगी। इससे प्रशिक्षित शारीरिक शिक्षक अपनी स्कूलों में राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार कर सकेंगे।

माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने सभी संभागीय संयुक्त निदेशकों तथा जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक मुख्यालय) को उनके अधीनस्थ सरकारी स्कूलों में कार्यरत ऐसे शारीरिक शिक्षकों को राष्ट्रीय स्तर के खेल संस्थानों से एक वर्षीय नियमित डिप्लोमा कोर्स करने के लिए आवेदन कराने के निर्देश दिए हैं, जो किसी खेल विशेष में भाग लेने चाहते हैं।

ऐसे शारीरिक शिक्षकों को अपने चयनित खेल में डिप्लोमा इन स्पोर्ट्स कोचिंग का एक वर्षीय पाठ्यक्रम प्रवेशित संस्थान में रह कर ही करना होगा। इस दौरान ऐसे शारीरिक शिक्षक ड्यूटी पर माने जायेंगे और उन्हें नियमित वेतन और भत्ते प्रतिनियुक्ति पर मानते हुए दिए जायेंगे।

यही नहीं जिन शारीरिक शिक्षकों का इन राष्ट्रीय खेल संस्थानों में चयन होगा। उन्हें दोनों तरफ का यात्रा भत्ता भी कोर्स पूरा कर लौटने पर दिया जायेगा। इसके अलावा उन्हें 5 वर्ष सरकारी सेवा में रहने का अनुबंध पत्र भरना होगा।

यदि बीच में छोड़कर जाएंगे, तो ऐसे शिक्षकों को समस्त खर्चे का भुगतान करना होगा। जिन शारीरिक शिक्षकों का चयन होगा, उन्हें पटियाला, बैंगलुरू, कोलकाता तथा तिरूअनंतपुरम के राष्ट्रीय खेल संस्थानों में प्रवेश मिलेगा।

ये संस्थान राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न खेलों में दक्षता के लिए शारीरिक शिक्षकों के लिए पाठ्यक्रम संचालित करते हैं, जिसमें योग्य शारीरिक शिक्षकों को प्रवेश दिया जाता है। राष्ट्रीय खेल संस्थानों में एक वर्षीय खेल विशेष में कोचिंग डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण लेने के इच्छुक सेवारत शारीरिक शिक्षक विश्वविद्यालय से स्नातक डिग्री तथा शारीरिक शिक्षा में डिप्लोमा/डिग्रीधारी होना चाहिए।

ट्रक ड्राइवर को गाड़ी में डाल ले गए बदमाश

बीकानेर, (कासं)। जिले के सीमावर्ती रणजीतपुरा पुलिस थाना क्षेत्र में ट्रक को ले जा रहे ड्राइवर को कुछ बदमाश अपनी गाड़ी में डालकर ले गए। इस आशय की रिपोर्ट पीड़ित ड्राइवर के पिता जग्गासर निवासी सत्तार खां पुत्र अहमद खां ने नामजद लोगों के खिलाफ थाने में दी है।

रिपोर्ट में बताया कि उसका बेटा ट्रक ड्राइवरी करता है। रिपोर्ट के मुताबिक 07 अप्रैल को उसका बेटा ट्रक में नमक भरकर अनूपगढ़ की ओर जा रहा था। जग्गासर गांव स्थित एक होटल के नजदीक बदमाशों ने उसके ट्रक को रूकवाया और ट्रक की चाबी छीन ली।

आरोप है कि आरोपी उसको दूसरी गाड़ी में डाल अपने साथ ले गए और उसकी जेब में पड़े रूपये भी छीन लिये। पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर दंतौर निवासी मोमन खां पुत्र अली खां, वाहिद बक्स पुत्र मोहम्मद खां, शरीफ खां के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

पश्चिमी विक्षोभ से बारिश की संभावना बनी

- बीकानेर के इलाकों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं भी चल सकती है

बीकानेर, (कासं)। बीकानेर समेत पूरे प्रदेश में फिलहाल मौसम मेहरबान है। हालांकि आज भी तापमान 35 डिग्री सेल्सियस के आसपास है। इसके बावजूद मौसम के मेहरबान होने की वजह से बीकानेर में गर्मी की तल्खी कम नजर आ रही है। ऐसे में कल और परसों फिर से बारिश का सिलसिला शुरू हो सकता है।

मौसम विभाग के अनुसार 18 और 19 अप्रेल को राजस्थान में एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने के कारण कुछ इलाकों में बारिश होने का अनुमान है। मौसम विभाग के मुताबिक 18 अप्रेल को बीकानेर व जोधपुर संभाग और 19 अप्रेल को जयपुर, भरतपुर, बीकानेर व जोधपुर में हल्की बारिश के आसार हैं।

इस दौरान इन इलाकों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं भी चल सकती है। दूसरी ओर बीकानेर में बुधवार को भी आसमान में बादलों की आवाजाही शुरू हो गई है। जिसके चलते कभी धूप तो कभी छांव का खेल चल रहा है।

बुधवार को बीकानेर में अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस तो न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रहा। बीकानेर के आसमां में रह-रहकर बादलों के आने व जाने का सिलसिला जारी है। इसके बावजूद वातावरण में नमी महज 25 फीसदी है। 16 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से रूक-रूककर हवा चल रही है।

सार-समाचार

डॉ.राधाकृष्णन को याद किया

बीकानेर, (कासं)। शिक्षक संघ एलीमेंट्री सैकण्डरी टीचर एसोसियशन (रेसटा) की और से प्रदेशाध्यक्ष मोहर सिंह सलावद की अध्यक्षता महान शिक्षाविद,भारत के प्रथम उप राष्ट्रपति व द्वितीय राष्ट्रपति, भारत रत्न श्रद्धेय डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की 49वीं पुण्यतिथि पर उनके फोटो पर माला पहनाकर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पेंशन विभाग के सहायक निदेशक डॉ. राहुल गोठवाल रहें। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेशाध्यक्ष सलावद ने कहा कि डॉ.राधाकृष्णन का जन्म 5 सितम्बर 1888 को चेन्नई से एक छोटे से कस्बे में हुआ था। उन्होंने न केवल महान शिक्षाविद के रूप में ख्याति प्राप्त की, बल्कि देश के सर्वोच्च राष्ट्रपति पद को भी सुशोभित किया। स्वतंत्र भारत के पहले उपराष्ट्रपति और दूसरे राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन को बचपन में कई प्रकार की कठिनाईयों का सामना करना पड़ा। डॉ.राधाकृष्णन भारतीय संस्कृति के ज्ञानी, एक महान शिक्षाविद, महान दार्शनिक, महान वक्ता भी थे। मुख्य अतिथि डॉ. गोठवाल ने कहा कि राधाकृष्णन ने अपने जीवन के 40 वर्ष एक शिक्षक के रूप में बिताएं। वे एक आदर्श शिक्षक थे। डॉ. राधाकृष्णन अपनी प्रतिभा का लोहा बनवा चुके थे। राधाकृष्णन की योग्यता को देखते हुए उन्हें संविधान निर्मात्री सभा का सदस्य बनाया गया था। प्रदेशाध्यक्ष मोहर सिंह सलावद,जिला सभाध्यक्ष गोपाल शर्मा, पेंशन विभाग के सहायक निदेशक डॉ. राहुल गोठवाल, सुरेंद्र सिंह शेखावत, श्रवण कुमार ढाल, मनीष कुमार, शिवम स्वामी, पुखराज आचार्य, गुलजार तंवर, ऋषभ कौशिक, नवीन गोयल, राकेश गर्ग, भानुप्रताप, रामनारायण मारू आदि उपस्थित थे।

मतदान के दिन सूखा दिवस घोषित

श्रीगंगानगर, (कासं)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार लोकसभा आम चुनाव 2024 के परिपेक्ष्य में लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 135-ग के प्रावधानों के अनुसरण में जिला श्रीगंगानगर, अनूपगढ़ में सूखा दिवस रहेगा। जिला कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी लोकबंधु ने बताया कि जिला श्रीगंगानगर व अनूपगढ़ में मतदान दिवस 19 अप्रैल के लिये 17 अप्रैल को सायं 6 बजे से 19 अप्रैल को सायं 6 बजे तक सूखा दिवस रहेगा। इसके अतिरिक्त जिले के जिन मतदान क्षेत्रों में मतदान होंगे, उन मतदान क्षेत्रों के बाहर के सीमावर्ती 3 किलोमीटर परिधि क्षेत्रों में मतदान समाप्ति के 48 घंटे पूर्व से मतदान समाप्ति के दिन सायंकाल 6 बजे तक सूखा दिवस रहेगा। मतदन केन्द्रों के क्षेत्रों में सायं 6 बजे तक सूखा दिवस रहेगा। लोकसभा आम चुनाव 2024 के दौरान 4 जून 2024 को मतगणना दिवस के अवसर पर भी सम्पूर्ण जिला श्रीगंगानगर व अनूपगढ़ में सूखा दिवस घोषित किया गया है।

चाइनीज मांझा बेचते दो को दबोचा

बीकानेर, (कासं)। चाइनीज मांझा बेचते हुए पुलिस ने दो जनों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मामला दर्ज किया है। दरअसल यह कार्रवाई कोटगेट थाना पुलिस ने की है। पुलिस के मुताबिक सूचना मिली कि पोस्ट ऑफिस के नजदीक दो जने चाइनीज मांझा बेच रहे है। इसकी सूचना मिलने के साथ पुलिस ने मौके पर दबिश देकर दोनों को दबोच लिया। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी गंगाशहर निवासी संदीप जैन पुत्र नथमल जैन तथा फड़बाजार निवासी शंकर मोदी पुत्र लालचन्द मोदी है। इनके कब्जे से पुलिस ने 55 चाइनजी मांझा की गेडिया मिली है। पुलिस के मुताबिक आरोपी प्लास्टिक बैग में चाइनीज मांझा लेकर खड़े थे।

मतदान का दिया संदेश

बीकानेर, (कासं)। मतदाता जागरुकता अभियान के तहत बुधवार को नरसिंगदास जीवणी देवी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा मतदाता जागरूकता के लिखे संदेशों के पोस्टर का विमोचन किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष शंकर सेवग ने बताया कि मिस मूमल 2024 पारुल विजय एवं गरिमा विजय ने पोस्टर का विमोचन किया। इस अवसर पर पारुल ने कहा कि लोकसभा चुनाव मतदान दिवस लोकतंत्र का महापर्व है। हमारा एक मत हमारे अच्छे भविष्य का निर्माण करता है अतः हमें ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचकर मतदान करना चाहिए।

BANASTHALI VIDYAPITH

(Notified as Deemed to be University Under Section 3 of the UGC Act)

University for women: University with a difference

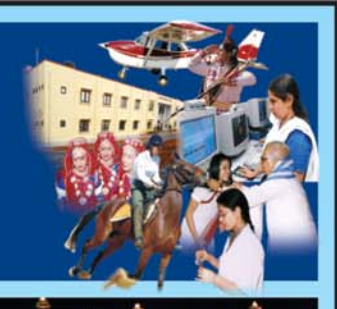

Banasthali Vidyapith, the world's largest fully residential university for women is NAAC 'A++', the second highest ranked women's university in the world having more than 15000 students on its 850-acre campus situated amidst rural setting in Rajasthan, having a distinct educational ideology and offering a variety of programmes from nursery up to doctoral level across a wide spectrum of disciplines to prepare enlightened citizens with strong value-base.

Programmes offered

ENGINEERING & TECHNOLOGY
B.Tech.* (Comp. Sc.& Engg./Comp. Sc.-Artificial Intelligence/Electronics & Comm./ Electronics & Instru./Electrical & Electronics/Mechatronics/ IT/Biotech./Chemical Engg./Electronics Engg.-VLSI Design and Technology)
M.Tech. (Artificial Intelligence)
M.Tech. (Computer Science/IT)
M.Tech. (Robotics & Automation)
M.Tech. (VLSI Design)
M.Tech. (Remote Sensing)
M.Tech. (Biotechnology)
M.Tech. (Chemical Engineering)

MATHEMATICAL & PHYSICAL SCIENCES
B.Sc./B.Sc. Hons./B.Sc. Hons. with Research (Phy./Chem./Maths/Comp.Sc./Elect./Stats)
BCA/BCA Hons./BCA Hons. with Research
M.Sc. (Computer Science)
M.Sc. (Data Science)
M.Sc. (Electronics)
M.Sc. (Mathematics/Statistics/Operations Research)
M.Sc. (Physics)
MCA/PGDCA

ARCHITECTURE & PLANNING
B.Arch.+

LAW
B.A./BBA/B.Com. LL.B. (Integrated)
LL.M.* (Constitution Law)

AVIATION
B.Sc./B.Sc. Hons. (Aviation Science)

LIFE SCIENCES
B.Sc./B.Sc. Hons./B.Sc. Hons. with Research (Chemistry, Zoology, Botany & Microbiology#)
B.Sc./B.Sc. Hons./B.Sc. Hons. with Research (Biotechnology)
B.Pharm.*
M.Pharm. (Pharmaceutical Chemistry, Pharmaceutics, Pharmacology)
M.Sc. (Chemistry)
M.Sc. (Botany) | M.Sc. (Zoology)
M.Sc. (Biotechnology) | M.Sc. (Bioinformatics)
M.Sc. (Applied Microbiology & Biotechnology)
M.Sc. (Microbiology)#

EARTH SCIENCES
B.Sc./B.Sc. Hons./B.Sc. Hons. with Research (Geology/Geography)
M.Sc. (Geography) | M.Sc. (Geology)
M.Sc. (Environmental Science)

MANAGEMENT STUDIES
B.Com./B.Com. Hons./B.Com. Hons. with Research
BBA/BBA Hons./BBA Hons. with Research
M.Com.
MBA* (Business Analytics/Entrepreneurship/HR/ Finance/Marketing/Aviation/Public Policy/Banking and Finance Management)

FINE ARTS
M.A. Music (Vocal/Sitar), Dance (Kathak/Bharatnatyam), Dramatic Art (Theatre), Drawing and Painting

DESIGN
B.Des. (Fashion & Lifestyle Design/ Communication Design/Industrial Design)
M.A. (Textile Designing) | M.Des.

JOURNALISM & MASS COMMUNICATION
B.A./B.A. Hons./B.A. Hons. with Research (Journalism and Mass Communication)
M.A. (Journalism and Mass Communication)

HUMANITIES & SOCIAL SCIENCES
B.A./B.A. Hons./B.A. Hons. with Research (Hindi, Sanskrit, English, Sociology, History, Maths, Statistics, Applied Statistics, Political Sc., Public Adm., Economics, Management, Music, Dance, Drama & Theatre Art, Drawing & Painting, Home Science, Textile Designing, Computer Application, Geography, Psychology, French#)
M.A. (Economics, History, Sociology, Political Sc., Psychology, Geography, Mathematics, Statistics, Operations Research, Hindi, English & Sanskrit)
Master of Social Work

EDUCATION
B.A.B.Ed.*, B.Sc.B.Ed.* (Integrated), B.Ed., M.Ed.

HOME SCIENCE
B.Sc./B.Sc. Hons./B.Sc. Hons. with Research (Home Science)
B.Sc./B.Sc. Hons./B.Sc. Hons. with Research (Home Science) Food Science & Nutrition
M.Sc. (Home Science) (Human Development/Food Science & Nutrition/Clothing & Textile)

NURSING
B.Sc. Nursing*

*Admission to this course shall be based on merit-cum-aptitude test.

#Subject to approval
+JEE-2 & NATA qualified

Foreign/NRI Admissions : A limited number of seats are available for direct admission of Foreign/NRI students in select courses.
Ph.D. : Visit the University website for further details.

Toll Free 1800-270-5855

Admission 2024-25
Scan to explore for detailed information

LAST DATE FOR APPLICATION 30 April, 2024

SCHOOL EDUCATION DIVISION
New admissions shall be made only to classes VI*, IX* & XI Arts/Science(Maths/Bio)/Commerce.
For admission enquiry: 9116624101, 9352878388
Email: school_admissions@banasthali.in

Enquiries can be made at
• For general enquiry:
9352879844, 9352879855, 9352879866
• For UG/PG Admissions:
9116624102 (Engineering & Technology)
9116624103 (Mathematical & Physical Sciences)
9116624104 (Life Science, Aviation, Earth Sc.)
9116624105 (Law & Management Studies)
9352879847 (Humanities, Social Sc., Home Sc.)
9352803156 (Design, Architecture, Fine Arts, Education & Nursing)
Email: ug_admissions@banasthali.in; pg_admissions@banasthali.in

How to Apply
For each programme a separate application is required through either:
Option 1 : Online submission of application at the University's website: http://www.banasthali.org
or
Option 2 : Send a DD for Pre-application fee of Rs. 1000/- in favour of "Banasthali Vidyapith" Payable at Banasthali/Jaipur to: Secretary-Banasthali Vidyapith, P.O. Banasthali Vidyapith-304022 (Raj.)
Scan to explore

BANASTHALI VIDYAPITH
P.O. Banasthali Vidyapith (Raj.) 304022 • Phone : 01438-228384, 228990
Mob.: +91-9352879844, 9352879855, 9352879866 • Email : admissions@banasthali.in
Visit us at http://www.banasthali.org
Connect with us on www.facebook.com/banasthali.org
Connect with us on www.instagram.com/banasthali_vidyapith_official

NAAC 'A++' 3.63
THE WORLD UNIVERSITY RANKINGS 2024
nirf All India Rank
QS UNIVERSITY RANKINGS ASIA

वाहन चोरों पर शिकंजा, 12 चोरी की मोटरसाइकिलों सहित दो जने गिरफ्तार

बीकानेर, (कासं)। शहर के अलग-अलग थाना इलाकों से चोरी हुई मोटरसाइकिलों के साथ पुलिस ने दो जनों को गिरफ्तार किया है। इसमें से एक आदतन चोर है जो बाइक चुराने की वारदातों को अंजाम देता है।

प्रेस वार्ता में जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम ने बताया कि शहर में लगातार बढ़ रही बाइक चोरी की वारदातों पर शिकंजा कसते हुए पुलिस ने एक टीम का गठन किया। जिसको यह सफलता हाथ लगी है। बीछवाल पुलिस ने मुखबिर से सूचना पर कार्यवाही करते पांचू निवासी 26 वर्षीय हंसराज को पकड़ा है। हंसराज के विरूद्ध जोधपुर शहर में मोटरसाइकिल चोरी के दो प्रकरण दर्ज है। पत्रकार वार्ता में प्रशिक्षु आईपीएस व सीओ सदर रमेश भी मौजूद थे।

वाहन चोरों की गिरफ्तारी के बाद पत्रकार वार्ता को पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम ने संबोधित किया।

- हैंडल लॉक तोड़कर पेपर कटर की सहायता से वायर काटकर बाइक के तारों को एक साथ जोड़कर स्टार्ट करके चुरा ले जाता था
- बीकानेर शहर के अलावा गुडगांव हरियाणा, नोखा से दुपहिया वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम दिया है

अभियुक्त हंसराज के द्वारा बाजार व रेलवे स्टेशन के आसपास खड़ी मोटरसाइकिलों के हैंडल लॉक तोड़कर पेपर कटर की सहायता से वायर काटकर मोटरसाईकिल के तारों को एक साथ जोड़कर स्टार्ट करके बाइक चुरा ले जाता। इसने बीकानेर शहर के अलावा गुडगांव हरियाणा, नोखा से दुपहिया वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम दिया है।

इस अभियुक्त को पकड़ने वाली टीम में पुलिस निरीक्षक नरेश निर्वाण, उप निरीक्षक चन्द्रभान, हैड कानि राजेन्द्र कुमार, हरिराम, कानि बलवीर सिंह, हरीश कुमार, राजाराम, दामोदार शामिल थे।

देशी कट्टे सहित दबोचा : जिले की पांचू थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अवैध हथियार के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने थानाधिकारी के नेतृत्व में कार्रवाई करते हुए 22 वर्षीय बंधाला निवासी बजरंग पुत्र हंसराज को अवैध देशी कट्टे के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी से अवैध हथियार की खरीद फरोख्त के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

कार को मारी टक्कर : लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए गाड़ी को टक्कर मारने की खबर सामने आई है। इस संबंध में सदर पुलिस थाने में झुंझुनूं निवासी समीर खान ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। घटना सादुल स्पोर्टस स्कूल के सामने की है। इस संबंध में प्रार्थी ने बताया कि वह अपनी वर्ना कार से किसी काम से जा रहा था।

इसी दौरान गेटवे चालक ने लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए उसके गाड़ी को टक्कर मार दी। जिससे उसकी गाड़ी को नुकसान हुआ। पुलिस ने प्रार्थी की रिपोर्ट के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

डिग्गी में डूबने से बालक की मौत : डिग्गी में गिरे एक बालक की डूबने से मौत हो गई। इस आशय की मर्ग रिपोर्ट शेरूणा पुलिस थाने में दर्ज की गई है। दरअसल झंझेऊ गांव की रोही स्थित छत्तर सिंह के खेत में संपत सिंह खेत काश्त करता है। वह चूरू के राऊटिब्बा का रहने वाला है। उसका 10 वर्षी बेटा लक्ष्य सिंह खेत में खेल रहा था। इसी दौरान वह डिग्गी में जा गिरा। डूबने से उसकी मौत हो गई।

जिले में लोकसभा चुनाव के प्रचार सभाओं पर रोक

पाटन,(निसं)। जिला कलक्टर शरद मेहरा ने लोकसभा आम चुनाव-2024 के क्रम में 19 अप्रैल को मतदान से पहले अंतिम 48 घंटे के लिए नीमकाथाना जिले में चुनाव प्रचार गतिविधियों, रैली सभाओं आदि पर बुधवार 17 अप्रैल शाम 6 बजे से रोक लगाने का आदेश जारी किया है।

भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के तहत स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव शांतिपूर्ण माहौल में करवाने के दृष्टिगत आदर्श आचार संहिता की अनुपालना और मानक संचालन प्रक्रिया के क्रम में यह आदेश जारी किया गया है। जारी आदेश के अनुसार, नीमकाथाना जिले में सभी क्षेत्रों ओर वर्गों के लोग मतदान के अपने संवैधानिक अधिकार का प्रयोग निष्पक्ष एवं भयमुक्त वातावरण में कर सकें, इसके लिए असामाजिक, अवांछित और लोक शांति में बाधक तत्वों पर नियंत्रण के लिए विशेष व्यवस्था की गई है।

आदेश के अनुसार, मतदान से पहले 48 घंटे की अवधि में नीमकाथाना जिले में चुनाव के संबंध में कोई भी व्यक्ति कोई सार्वजनिक सभा या जुलूस न बुलाएगा, न आयोजित करेगा, न उसमें उपस्थित होगा और न उसे संबोधित करेगा। दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के तहत जिले में 5 व्यक्तियों के एक स्थान पर इक्कठा होने पर प्रतिबन्ध रहेगा। घर-घर जाकर प्रचार करने पर प्रतिबन्ध लागू नहीं होगा।

सार-समाचार

हर्षोल्लास से मनाया रामनवमी महोत्सव

चूरू,(का.सं.)। स्थानीय श्रीराम मंदिर में बुधवार को रामनवमी महोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया। इस उपलक्ष्य में प्रात: प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। प्रमोद मंडावेवाला ने बताया कि पं. पूसाराम पुजारी के नेतृत्व में भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव की आरती संपन्न हुई। आरती में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष उपस्थित थे। इस अवसर पर सभी ने भगवान श्रीराम से खुशहाली व सुख समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर कानसिंह वकील, परमेष्वर, हरि प्रसाद शर्मा, श्याम सुंदर शर्मा, अनिल गोयल, अशोक बजाज, सतीश शास्त्री, शिवकुमार शर्मा, नरेंद्र, रामगोपाल, सुरेश सारस्वत, शिव भगवान, संजय बजाज, गौरव मंडावेवाला, मुरलीधर आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर मन्दिर की भव्य सजावट की गई। निरंकारी मंडल द्वारा जल सेवा की गई। प्रमोद मंडावेवाला व श्रीराम मंदिर परिवार आयोजन समिति के सभी सदस्यों ने आगंतुकों का आभार प्रकट किया।चूरू-17 अप्रैल-2-चूरू के राम मंदिर में भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। बजरंग सैनी

121 कन्याओं को भोजन कराया

पाटन,(निसं)। निकटवर्ती ग्राम हसामपुर की पहाड़ी पर स्थित मनसा माता मंदिर में नवमी तिथि को सिद्धिदात्री देवी के अभिषेक के साथ नवचंडी पूजा का शुभारंभ किया गया तंवराबाटी के इतिहास अनुसार मनसा माता का मंदिर दसवीं, ग्यारहवीं सदी का प्राचीन मंदिर बताया गया है । यहां देवी की तीन पिंडी रूप में भक्तों को दर्शन होते है। यहां नवरात्रि में प्रतिपदा से नवमी तक दूर दराज से हजारों भक्तगण आकर माता के गठ जोड़ा, जडूला की जात लगाकर माता से मन्नत मांगते हैं। मंदिर महंत केशव भारद्वाज के सानिध्य में नवचंडी का आयोजन किया गया।आचार्य अनिल शर्मा,संजय मिश्रा शास्त्री ने बताया कि भागवत, विष्णु पुराण एवं वेदों में मनसा देवी का नाग कन्या के रुप में विवरण दिया गया है। इस अवसर पर अष्टमी रात्रि को हवन का आयोजन किया गया व 121 कन्याओं को भोजन कराया गया। इस अवसर पर विजय हसामपुरिया,निखिल अग्रवाल, सांवर मल, ज्ञानचंद हसामपुरिया, मुलचंद यादव, धर्मपाल यादव,कमल कुमावत कपिल अग्रवाल, विजय अग्रवाल दिल्ली , राकेश मंगल, राजेश मंगल कोटकपूरा पंजाब सहित सैकड़ों भक्तों ने पंगत प्रसाद ग्रहण किया।

डॉर टू डॉर जन सम्पर्क अभियान किया

पाटन,(निसं)। लोकसभा चुनावों को मध्य नजर रखते हुए एवं आदर्श आचार संहिता का पालन करते हुए पार्टी के आला कमान नेताओं के निर्देशन में भाजपा नेता रघुवीर सिंह तंवर भूदोली के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने पाटन वाटी क्षेत्र में जनसंपर्क कर स्वामी सुमेधानंद सरस्वती के पक्ष में मतदान करने की अपील की। भूदोली ने मंगलवार को नीमकाथाना जिले के कपिल मंडी से छावनी तक डोर टू डोर जनसंपर्क किया एवं बुधवार को पाटन तहसील के पाटन स्टैंड, कोटपूतली रोड, डाबला रोड पर डोर टू डोर जनसंपर्क करते हुए हसामपुर एवं डाबला क्षेत्र का जन सम्पर्क किया। भूदोली ने जानकारी देते हुए बताया कि गुरुवार को भूदोली, गांवड़ी, गणेश्वर एवं अन्य क्षेत्रों का डोर टू डोर जन संपर्क किया जाएगा।भूदोली भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की एवं उन्होंने बताया कि इस बार भाजपा की सीटें 400 से अधिक आएंगी।इस दौरान सूबेदार पेप सिंह खादरा, बजरंग सिंह तंवर सीआई हसामपुर, हवलदार राम सिंह, टिंकू गांवली, अंकित गणेश्वर, सतवीर भूदोली,सतीश गुर्जर बोपिया, गुमान सिंह हसामपुर सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

माइक्रोऑब्जर्वर व मतदान दलों का किया रेंडमाइजेशन

चूरू, (का.सं.)। लोकसभा आम चुनाव.2024 के दौरान नियुक्त सामान्य पर्यवेक्षक कौस्तुभ दिवेगांवकर व जिला निर्वाचन अधिकारी पुष्पा सत्यानी की उपस्थिति में बुधवार को एनआईसी वीसी सभागार में लोकसभा आम चुनाव के लिए जिले में नियुक्त माइक्रोऑब्जर्वरों व मतदान दलों को मतदान केन्द्र आवंटन के लिए तृतीय व अंतिम रेंडमाइजेशन किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी पुष्पा सत्यानी ने बताया कि इस दौरान जिले में कुल 1609 सक्रिय व 161 रिजर्व मतदान दलों तथा 72 सक्रिय व 18 रिजर्व माइक्रोऑब्जर्वरों का रेंडमाइजेशन किया गया। डीओआईटी एसीपी नरेश टुहानिया ने रेंडमाइजेशन संपन्न करवाया। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी उत्तमसिंह शेखावत, प्रशिक्षु आईएएस सक्षम गोयल, पर्यवेक्षक प्रकोष्ठ के ओमप्रकाश फगेड़िया, लाइजनिंग अधिकारी डॉ मंगल जाखड़, डॉ रविन्द्र बुडानिया, डॉ प्रशान्त शर्मा, एपीआरओ मनीष कुमार, सुनील बुडानिया, गुरप्रीत लबाना सहित अन्य उपस्थित रहे।

रामनवमी के अवसर पर आयोजित सोभायात्रा का स्वागत किया

चूरू, (का.सं.)। रामनवमी के अवसर पर चूरू जिला मुख्यालय पर आयोजित विशाल शोभा यात्रा का बैदो की धर्मशाला के पास भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता एडवोकेट सद्दाम हुसैन के नेतृत्व में युवाओं की ओर से पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया इस अवसर पर युवा कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष वसीम चौहान, कांग्रेस मण्डल उपाध्यक्ष अल्ताफ रंगरेज, कांग्रेस मण्डल सचिव सुलेमान मणीयार, इमरान सिसोदिया, असलम अन्सारी सहित काफी अल्पसंख्यक युवा उपस्थित थे।

सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

झुंझुनूं, (निसं)। जिला मुख्यालय के बाकरा रोड स्थित स्टार एकेडमी ने महारामनवमी को अपना 10वां स्थापना दिवस समारोह संत सानिध्य में गौ सेवा कर बड़े हर्षोल्लास से मनाया। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा सुंदर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बालिकाओं ने भाषण द्वारा विद्यालय के प्रति अपनी भावनाओं को व्यक्त कर सभी को सम्मोहित कर दिया। तत्पश्चात विद्यालय परिवार झुंझुनूं स्थित ढ़ गोपाल गौशाला व बाकरा गांव स्थित गौशाला पहुंच गायों को गुड़, फल, हरी सब्जियां खिलाकर गौ सेवा की व चंचलनाथ जी टीला पीठाधीश्वर ओमनाथ महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया। ओमनाथ महाराज ने अपने आशीर्वचनों में कहा कि आज रामनवमीं के दिन हमें ढ़राम के आदर्शों को जीवन में उतार कर मनुष्यता के महान मूल्यों की स्थापना में अपना योगदान देते हुए इस मनुष्य जीवन को सफल बनाना चाहिए। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन पदाधिकारियों के साथ एकेडमी एडमिनिस्ट्रेटर विकास भालोठिया, कैप्टन मूलचंद झाझड़िया, पूनम तंवर, कविता पूनियां, महिमा शर्मा, करुणा कुमारी, पिंकी जांगिड़, सविता सैनी, रिंकू चौधरी, असीतदास, विनोद कुमार, मुकेश कुमारी, पूजा स्वामी, नरेश कुमार, विकास कुमार, ममता सैनी, सुमन, मुकेश कुमार, प्रवीर पात्रा, धर्मवीर मीणा, सूरज, रोहीत कुमार यादव, प्रहलाद सिंह आदि समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

चुनाव को लेकर वाहनों की तलाशी

सादुलपुर, (निसं)। लोकसभा आम चुनाव 2024 की आदर्श आचार संहिता की पालना में बुधवार को विधानसभा क्षेत्र सादुलपुर के हरियाणा सीमावृति क्षेत्र में लगाये गये इन्टरस्टेट चेक पोस्ट न्यांगल छोटी पर पुलिसकर्मी पूर्ण मुस्तैदी के साथ आने जाने वाले वाहनों की गहनता से तलाशी करते हुए नजर आये। इसी दौरान चेक पोस्ट पर लगाये गये नाके पर आने जाने वाले वाहनों पर पुलिस पैनी नजर रखे है। इसी दौरान इन्टर स्टेट चेक पोस्ट न्यांगल छोटी पर तैनात इन्चार्ज जलेसिंह कास्टेबल ने बताया कि पुलिस प्रशासन इस क्षेत्र से गुजरने वाले वाहनो की जांच के लिए सघन तलाशी अभियान चलाये हुए है तथा आमजन से लोकसभा आम चुनाव-2024 में शांति बनाये रखने तथा निष्पक्ष व भयमुक्त होकर मतदान करने की अपील की जा रही है। गौरतलब है कि पुलिस अधीक्षक जय यादव ने जिले में लोकसभा आम चुनाव-2024 के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा शांतिपूर्ण चुनाव के लिए किए गए आवश्यक इंतजामों से अवगत करवाया गया है तथा चैक पोस्ट पर तैनात पुलिस कर्मियों से मुस्तैदी के साथ ड्यूटी निभाने के निर्देश दिए।

आज रवाना होंगे मतदान दल, सभी तैयारियां पूरी

बीकानेर, (कासं)। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए मतदान दल गुरूवार को रवाना होंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी नम्रता वृष्णि ने बताया कि श्रीडूंगरगढ़, बीकानेर पूर्व, बीकानेर पश्चिम के लिए मतदान दल 18 अप्रैल को प्रात: 7 बजे राजकीय डूंगर महाविद्यालय में रिपोर्ट करेंगे। जहां से तृतीय प्रशिक्षण के बाद इन्हें संबंधित क्षेत्र के लिए रवाना किया जायेगा।

वहीं कोलायत, लूणकरनसर, खाजूवाला तथा नोखा विधानसभा क्षेत्र के लिए राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय से मतदान दलों की रवानगी की जायेगी। उन्होंने बताया कि जिले में कुल 1 हजार 627 मूल मतदान केन्द्र तथा 58 सहायक मतदान केन्द्रों सहित कुल 1 हजार 685 केन्द्रों के लिए दल रवाना होंगे।

इसी प्रकार 355 रिज़र्व मतदान दलों सहित कुल 2 हजार 40 मतदान दलों का गठन किया गया है। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 8-8 युवा तथा महिला मतदान केन्द्र स्थापित किए गए हैं। जिनमें से जिले के 7 विधानसभा क्षेत्रों में 56-56 युवा मतदान कार्मिक

- मतदान दल 18 अप्रैल को सुबह 7 बजे राजकीय डूंगर महाविद्यालय में रिपोर्ट करेंगे

(40 वर्ष से आयु के) तथा महिला कार्मिकों की नियुक्ति की गई है। इसके अलावा प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक-एक मतदान केन्द्र दिव्यांग कार्मिकों द्वारा संचालित किया जायेगा। वृष्णि ने बताया कि मतदान दल रवाना करने की समस्त तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। अंतिम प्रशिक्षण के पश्चात पोलिंग पार्टियों गंतव्य स्थल के लिए रवाना कर दी जायेगी।

डूंगर कॉलेज में मतदान कार्मिकों का प्रवेश सादुलगंज कॉलोनी की ओर वाले द्वार से होगा तथा उनकी पार्किंग की व्यवस्था द्वार के बाएं तरफ रहेगी। प्रवेश द्वार के समीप ही पूछताछ के लिए भी टेंट की व्यवस्था की गई है। पॉलिटेक्निक कॉलेज में मतदान कार्मिकों के प्रवेश की व्यवस्था राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के सामने वाले द्वार से होगी। इनकी पार्किंग की व्यवस्था औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान परिसर में की गई है। उन्होंने बताया कि मतदान दल कार्मिकों के रवानगी स्थल पर बैठने, पेयजल, मतदान केन्द्र के लिए आवंटित सामग्री वितरण सहित समस्त व्यवस्थाएं कर ली गई हैं।

मतदान दलों को मतदान सामग्री वितरण टेबल पर ही करवाई जायेगी। इसमें ईवीएम के साथ-साथ मतपत्र मुद्रण प्रकोष्ठ द्वारा प्रकाशित सामग्री का भी वितरण किया जायेगा। दोनों रवानगी स्थलों पर प्राथमिक उपचार की व्यवस्था की गई है। साथ ही समस्त व्यवस्थाएं सुचारू रखने के लिए प्रकोष्ठ प्रभारी को निर्देश दिए गए हैं। मतदान दलों को गंतव्य स्थल तक पहुंचाने के लिए वाहन उपलब्ध करवाया जायेगा।

मतदान दल समस्त मतदान सामग्री एवं ईवीएम, वीवीपेट, सील्ड और अनसील्ड लिफाफे सहित अन्य सामग्री राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में स्थापित काउंटरों पर जमा करवाएंगे।

एनएसयूआई की छात्र महापंचायत

श्रीगंगानगर, (कासं)। इंडिया गठबंधन के कांग्रेस प्रत्याशी कुलदीप इन्दौरा ने कहा कि छात्र-युवा ही देश की दिशा-दशा तय करेंगे। इन्दौरा बुधवार को भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) द्वारा आयोजित छात्र महापंचायत जय जवान संवाद को सम्बोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि युवाओं को राजनीति से जुड़कर देशहित के मुद्दों पर काम करना होगा। छात्र राजनीति को और मजबूत करना होगा। उन्होंने कहा कि एनएसयूआई और यूथ कांग्रेस पार्टी की रीढ़ है। एनएसयूआई के प्रदेशाध्यक्ष विनोद जाखड़ मेघवाल ने कहा कि देश के हालात सही नहीं हैं। मोदी राज में तेजी से बेरोजगारी बढ़ी है। सबसे बड़ा धोखा युवाओं के साथ किया गया है।

आज नौजवान दर-दर की ठोकरें खा रहा है। मोदी की तानाशाही जगजाहिर है। लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए छात्रों, युवाओं सहित प्रत्येक वर्ग को आगे आना होगा। चहल चौक के समीप स्थित संगम पैलेस में आयोजित इस कार्यक्रम में एनएसयूआई जिलाध्यक्ष पवन नंदीवाल, यूथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष करण सहारण, सेवादल के भीमराज ढुंढाड़ा, सुधीर भादू, आदि मौजूद थे।

मतदान तक पंजाब के वाहनों पर सख्ती

श्रीगंगानगर,(कासं)। अब रोजाना पंजाब से आने वाले वाहनों को राजस्थान सीमा में एंट्री आसानी से नहीं मिल पायेगी। पुलिस और स्पेशल फोर्स की संयुक्त जांच के दौरान प्रत्येक वाहन की चैकिंग की प्रक्रिया शुरू हो गई है। पंजाब बॉर्डर को अब आसानी से पार नहीं किया जा सकता।

श्रीगंगानगर लोकसभा चुनाव में 19 अप्रेल तक अब रोजाना पंजाब से आने वाले वाहनों को राजस्थान सीमा में एंट्री आसानी से नहीं मिल पायेगी। पुलिस और स्पेशल फोर्स की संयुक्त जांच के दौरान प्रत्येक वाहन की चैकिंग की प्रक्रिया शुरू हो गई है। पंजाब बॉर्डर को अब आसानी से पार नहीं किया जा सकता।

सीओ सिटी आईपीएस बी. आदित्य ने बताया कि मतदान में चंद घंटों का समय रहा है। ऐसे में चुनाव आयोग की ओर से सत निर्देश है कि अन्तरराज्यीय सीमा पर बेवजह एक से दूसरे प्रदेशों में आने वाले लोगों को इसकी वजह भी बतानी होगी।

ऑपरेशन बॉर्डर सील के तहत साधुवाली बॉर्डर पर विशेष जांच प्रक्रिया शुरू हो गई है। पहले यह जांच

- ऑपरेशन बॉर्डर सील, मतदान होने तक बताना होगा कि किस वजह से राजस्थान में आये हो और किससे मिलने जा रहे हो

सुबह आठ बजे से दोपहर दो बजे तक होनी थी लेकिन अब इसे चौबीस घंटे किया गया है। यह प्रक्रिया मतदान की प्रक्रिया पूरी होने तक जारी रहेगी। पंजाब से आने वाले वाहनों को राजस्थान सीमा में प्रवेश करते ही जांच दल को वाहन चालक या वाहन में सवार लोगों को बताना होगा कि किस वजह से राजस्थान में आए हो और किससे मिलने जा रहे हो। इसकी बकायदा एक रजिस्टर में एंट्री भी होगी। जांच टीम पंजाब नबर के वाहनों पर कड़ी नजर बनाए हुए है। मतदान से 48 घंटे पहले ऐसे व्यक्ति जो गंगानगर लोकसभा क्षेत्र के वोटर नहीं है, उन्हें ठहरने की अनुमति नहीं दी जायेगी।

नाबालिग से दुराचार

बीकानेर, (कासं)। जिले में एक 13 साल की नाबालिग लड़की के साथ दुराचार का मामला सामने आया है।

दरअसल यह मामला हदां पुलिस थाना क्षेत्र का है। पीड़िता के पिता ने इस आशय की रिपोर्ट पुलिस थाने में दी है। रिपोर्ट में लीलाधर पुत्र त्रिलोकचन्द को नामजद किया गया है। जो कि वार्ड पांच का रहने वाला है। पुलिस को दी गई रिपोर्ट में बताया कि 5 अप्रैल को आरोपी उसकी 13 साल की नाबालिग बेटी को बहला फुसला ले गया। आरोप है कि झाड़ियों में ले जाकर आरोपी ने उसकी बेटी के साथ दुराचार किया।

गिन्नीदेवी राधावल्लभ खेतान ट्रस्ट के ट्रस्टीज ने किया गौशाला का अवलोकन

झुंझुनूं, (निसं)।श्री गोपाल गौशाला झुंझुनूं में बुधवार को श्रीमती गिन्नी देवी राधावल्लभ खेतान ट्रस्ट के ट्रस्टीज ने गौशाला अवलोकन कर ना केवल गौ माता को अपने हाथों से गुड़ खिलाकर गौ सेवा की अपितु गौ सेवा में गोदान की भी स्वीकृति दी।

जब उन्हें बताया गया कि गौशाला गिर गाय ग्यारह गौ भक्तों की ओर से लेकर आने वाली है तो उन्होंने सहर्ष अपनी ओर से भी एक गिर गाय लाने की स्वीकृति दी। ट्रस्टीज राजकुमार खेतान, अशोक खेतान, राकेश खेतान, शिशिर खेतान एवं आलोक खेतान का श्री गोपाल गौशाला की ओर से दुपट्टा ओढाकर गौ माता का प्रतीक चिह्न भेंटकर स्वागत अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम का संचालन कर रहे परमेश्वर हलवाई ने उपस्थित सभीजन से ट्रस्टीज का परिचय करवाया और बताया कि खेतान ट्रस्ट की ओर से हर वर्ष न केवल श्री गोपाल गौशाला अपितु श्री बंधे का बालाजी मंदिर ट्रस्ट, आदर्श बाल निकेतन स्कूल, अठावाल समाज एवं श्री श्याम आशीर्वाद सेवा संस्था सहित शहर की विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं में अनवरत रूप से सहयोग किया जाता रहा है।

वर्तमान में उनके द्वारा नव निर्माणाधीन इस्कॉन मंदिर के लिए 51 लाख रुपए भूमि का सहयोग भी दिया गया है। इस अवसर पर श्री गोपाल गौशाला अध्यक्ष प्रमोद खंडेलिया, कोषाध्यक्ष राजकुमार तुलस्यान, उपाध्यक्ष संजय राणासरिया, पीआरओ डॉ. डीएन तुलस्यान, संपत्त चुड़ैलेवाला, परमेश्वर हलवाई, विपिन राणासरिया, नरोत्तमलाल राणासरिया एवं नितिन नारनौली सहित अन्य जन उपस्थित थे। अठावाल समाज झुंझुनूं की ओर से परमेश्वर हलवाई, अध्यक्ष संपत्त चुड़ैलेवाला एवं पीआरओ डॉ. डीएन तुलस्यान द्वारा रोड नंबर दो पर प्रस्तावित अठासेन द्वार के लिए उन्हें मौका मुआयना करवाया गया। जिस पर उन्होंने अन्य ट्रस्टीज से बात कर स्वीकृति देने का आश्वासन दिया।

मर्यादा पुरुषोत्तम राम के जन्मोत्सव पर निकली विशाल शोभायात्रा

सीकर (निस)। भगवान ढ़ राम जन्मोत्सव पर शहर में मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान ढ़राम की ऐतिहासिक शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा का शहर में अनेक स्थानों पर पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया गया।

शोभायात्रा को लेकर शहर के लोगो में भारी उत्साह देखा गया। रामनवमी महोत्सव आयोजन समिति की ओर से निकाली गई । शोभायात्रा से पूरे शहर की रफ्तार कई घंटे तक थमी रही और शहर केसरिया भगवा रंग में रंग कर, राम मय हो गया। शोभायात्रा में शामिल लोगो से बजाज रोड, स्टेशन रोड पूरी तरह अटे रहे। शोभायात्रा में शामिल केसरिया साफा और दुपट्टे पहने लोगों का एक छोर तापड़िया बगीची से रामलीला मैदान तक और दूसरा फतेहपुरी गेट तक पहुंच गया। शोभायात्रा में राज्य सभा सांसद घनश्याम तिवारी, सांसद सुमेधानन्द सरस्वति, विधायक राजेन्द्र पारीक आदि सहित बड़ी संख्या में भक्तगण मौजूद थे। शोभायात्रा में भगवान ढ़राम और राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत जीवन्त झांकियां भी शामिल रही। दर्जनों डीजे की भक्तिमय धुनों और ढ़राम के नारो के साथ नाचते गाते अलग-अलग क्षेत्रों से

शोभायात्रा का शहर में अनेक स्थानों पर पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया गया।

राम भक्त शोभायात्रा में पहुचे। शोभायात्रा में शामिल युवा हाथो में केसरिया पताका और केसरिया साफा पहने हुए थे। शोभायात्रा में मातृ शक्ति भी बड़ी संख्या में शामिल हुई। आयोजन समिति की ओर से स्वयं सेवको को व्यवस्था में लगाया गया था। शोभायात्रा रघुनाथजी के मंदिर से रवाना होकर, बावड़ी गेट, सुभाष चौक, गोपीनाथ जी के मंदिर, गणेषजी का मंदिर, बजाज रोड, जैन स्कूल, तापड़िया बगीची, अहिंसा सर्किल, जाट बाजार, परषुराम पाक होते हुए रामलीला मैदान पहुचा, जहां संतों के सानिध्य में समापन हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोगों ने दीप प्रज्वलित कर आरती की। जिससे पूरा वातावरण ही भक्तिमय भाव में रम गया। समापन पर कांठोस, भाजपा के जनप्रतिनिधि और शोभायात्रा से जुड़े सभी हिन्दू संगठनो के पदाधिकारी, कार्यकर्ता मौजूद रहे। शोभायात्रा के दौरान पुलिस प्रशासन पूरी तरह चाक-चौबंद रहा। जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक शोभायात्रा पर पूरी तरह से नजर बनाए हुए थे। शोभायात्रा के दौरान जाप्ते में 800 से ज्यादा पुलिस के जवान, क्यूआरटी टीम, वरिष्ठ अधिकारियों के नेतृत्व में तैनात रही। वहीं पुलिस प्रशासन ने एहतिहात के तौर पर ब्रजवाहन, अग्निशमन और 108 एम्बूलेंस भी कई स्थानों पर मौजूद रही। वहीं शोभायात्रा के दौरान ड्रोन कैमरो से भी नजर रखी गई। शोभायात्रा में अनेक स्थानों पर पानी और ठंडे पेय पदार्था की स्टॉले भी लगाई गई। उत्साहित युवाओं ने केसरिया झंडो के साथ करतब भी दिखाए। शोभायात्रा के दौरान बैण्ड मुख्य आकर्षण का केन्द्र रहा, जिसमें पूरे जोश के साथ बैण्डवादकों ने अपनी प्रस्तुतियां दी। इसके साथ ही हजारों लोग

तिरंगा हाथों में थामकर शोभायात्रा में शामिल हुए। जिससे एक अलग ही नजारा देखने को मिला। वही बैजनाथ शोभासरिया ट्रस्ट द्वारा भी रामनवमी के पर्व पर को भव्य रामनवमी महोत्सव का आयोजन किया गया।

धूमधाम से मनाई रामनवमी

डूंडलोद,(निसं)। डूंडलोद पब्लिक स्कूल डूंडलोद में भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय की छात्रा दिशा शर्मा ने भगवान श्रीराम के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला।

विद्यालय के छात्रावास के विद्यार्थियों ने सामूहिक नृत्य प्रस्तुत किया। विद्यालय सचिव बीएल रणवां व प्राचार्य जी. प्रकाश ने भगवान श्रीराम के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर प्राचार्य जी. प्रकाश ने विद्यार्थियों का मार्गदशन करते हुए बताया कि भगवान श्री पुरूषार्थ के प्रतीक, उत्तम आचरण व मर्यादा में रहने के कारण ही उन्हें मर्यादा पुरूषोत्तम कहा जाता है।

राजकुल में जन्म लेने पर भी अपने पिता महाराज दशरथ की आज्ञा का पालन करते हुए सभी सुखों का परित्याग कर धर्म, न्याय व सत्य के मार्ग पर चले। उन्होंने मानवीय रूप में ही सर्वसमाज का प्रतिनिधित्व करते हुए आचरण व असाधारण गुणों को प्राप्त किया। विद्यालय सचिव बीएल रणवां ने बताया कि भगवान श्रीराम सिर्फ एक आदर्श पुत्र ही नहीं बल्कि एक आदर्श पति और भाई भी थे। भारतीय संस्कृति में मर्यादा, लोकतांत्रिक मूल्यों और संयक का नाम ही श्रीराम है।

श्रीराम की शोभायात्रा में सीएम भजनलाल शर्मा ने पुष्पवर्षा की

मुख्यमंत्री ने सरदारशहर में रामनवमी शोभायात्रा में शिरकत की

जयपुर/सरदारशहर, (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बुधवार को चुरू जिले के सरदारशहर में भव्य विशाल रामनवमी शोभायात्रा में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने भव्य झांकियों के दर्शन किए और केसरिया पहने श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा कर रामनवमी की शुभकामनाएं दीं। शर्मा ने जय राम के नारे लगाकर भगवा रैली में शामिल हजारों श्रद्धालुओं का उत्साहवर्धन भी किया।

मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 500 साल बाद यह पहली रामनवमी आई है, जब रामलला अयोध्या में भव्य एवं दिव्य राममंदिर में विराजमान हैं। उन्होंने कहा कि इस बार भी बीजेपी प्रदेश की सभी 25 सीटें भारी मतों से जीतेगी और नरेन्द्र मोदी 400 से ज्यादा सीटों के साथ फिर से प्रधानमंत्री बनेंगे।

इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने जयपुर स्थित निजी आवास पर चैत्र नवरात्रि के नवम दिवस महानवमी के शुभ अवसर पर कन्या पूजन कर आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा कि मां भगवती के नवरूपों की आराधना का यह पर्व नारी शक्ति और कन्याओं के सम्मान का भी पर्व है। उन्होंने शक्ति स्वरूपा जगदम्बा का आशीर्वाद प्रदेश के सभी परिवारजनों पर बने रहने की कामना की। गांधीचौक में शोभायात्रा का मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया व राम भक्तों का अभिवादन किया। पूरे बाजार में जगह-जगह तोरण द्वार बनाकर शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया गया वहीं व्यापारियों द्वारा पुष्प वर्षा की गई व जगह-जगह पर ठंडे पेय जल पदार्थ की व्यवस्था भी सामाजिक संस्थाओं द्वारा की गई। राम स्तुति एवं प्रभु श्रीराम की महाआरती के बाद कार्यक्रम का समापन हुआ। शोभायात्रा में प्रभु श्रीराम लला की झांकी, राम मंदिर की प्रतिकृति की झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। साथ ही सभी श्रद्धालुओं को धाम से आया हुआ प्रसाद का वितरण किया गया। महिलाओं की एक विशेष गणवेश का दल भी शोभायात्रा का आकर्षण था।

शोभायात्रा में शौर्य चक्र विजेता मेजर पवनकुमार खीचड़, लोकसभा भाजपा प्रत्याशी देवेंद्र झाझरिया ,कांग्रेस लोकसभा प्रत्याशी राहुल कस्वां, पूर्व मंत्री राजकुमार रिणवां, विधायक पंडित अनिल भंवरलाल शर्मा, प्रधान प्रतिनिधि मधुसूदन राजपुरोहित, युवा नेता विकास रिणवां, सभापति राजकरण चोधरी, पूर्व पालिका अध्यक्ष रतनगढ़ लिटू कल्पनाकांत, पूर्वपालिका उपाअध्यक्ष मुरलीधर सैनी, डॉक्टर बनवारीलाल शर्मा, सुरेश वर्मा, ओमप्रकाश जोशी, मदन ओझा ,सुभाष सोनगरा, राकेश इंदोरिया ,अशोक केशरा,प्रतिपक्ष नेता राजेश पारीक, सुबोध सेठिया, हंसराज सिद्ध, मुकेश सैनी, एडवोकेट पवन सैनी, सहित अनेकों राम भक्त उपस्थित थे।

सरदारशहर में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा रामनवमी शोभायात्रा में शामिल हुए। इस अवसर पर भाजपा प्रत्याशी देवेन्द्र झाझरिया, विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड के अध्यक्ष रामगोपाल सुथार, पूर्व मंत्री राजकुमार रिणवां, पूर्व विधायक अशोक पींचा सहित गणमान्य एवं प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

फोटो वायरल करने की धमकी देकर पैसे मांगे

सादुलपुर, (निसं)। फोन से डाटा चोरी कर उसकी एडिटिंग कर वायरल करने की धमकी देकर पैसे मांगने तथा बार-बार फोन कर सैनिक की पत्नी को प्रताड़ित करने के आरोप में राजगढ थाना पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

थाना अधिकारी पुष्पेंद्र सिंह झाझडिया ने बताया कि गांव राजगढ थानान्तर्गत एक गांव निवासी एक सैनिक ने मामला दर्ज करवाकर बताया कि वह सेना में नौकरी करता है। तथा उसकी पत्नी ने भैंस को बेचने के लिए अपने मोबाइल नंबर से अपनी भैंस की एनिमल ऐप पर फोटो डाली थी। तब उसकी पत्नी के फोन पर मनीष गोस्वामी नाम के लड़के का फोन आया और कहा कि मुझे भैंस पसंद है मुझे आपकी भैंस खरीदनी है। यह बात कहकर दो-तीन दिन बाद आरोपी मनीष उसके घर आया तथा उसकी पत्नी को कहा कि उसके फोन का कैमरा खराब है, आप अपना फोन दे दे, मुझे भैंस की वीडियो बनाकर घर भेजनी है। तब उसकी पत्नी ने अपना फोन आरोपी मनीष को दे दिया। मनीष ने वीडियो बनाने के बहाने से उसकी पत्नी के मोबाइल से सारा डाटा, वीडियो, फोटो व कांटेक्ट नंबर आदि अपने फोन में ट्रांसफर कर लिए तथा उसकी पत्नी की फोटो एडिट कर अश्लील फोटो बनाया तथा उसकी पत्नी को भेजकर कहा कि मैं इनको वायरल कर दूंगा नहीं तो मुझे पैसा भेजो या मेरे से बात करो, मेरे से संबंध बनाओ, जिस पर उसकी पत्नी ने बदनामी के डर से एक बार दस हजार रुपए प्रमोद नामक व्यक्ति के नंबर पर डलवाए। बार-बार फोन करके बुलाने की बात कहने लगा, तब उसकी पत्नी ने उसके नंबर को ब्लॉक कर दिया तो मनीष ने उसे फोन करके कहा कि मेरे पास तेरी पत्नी की एडिटिंग की हुई अश्लील फोटो है, मुझे पैसे भेजो वरना मैं तेरी पत्नी की फोटो वायरल कर दूंगा। राजगढ़ थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

5 साल की बच्ची के पेट से निकाले 400 ग्राम बाल

जिला चिकित्सालय में एक बच्ची के पेट से बालों का गुच्छा निकाल जीवनदान दिया।

डूंगरपुर, (निसं)। पांच साल की मासूम के पेट से डॉक्टरों ने बालों का गुच्छा निकाला है। ट्राइको बेजार बीमारी से पीड़ित बच्ची खुद के बाल खा रही थी। इससे उसके पेट में बालों का गुच्छा बन गया था। पेट दर्द और भूख नहीं लगने की शिकायत पर परिजन उसे डूंगरपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाए। बुधवार को 9 डॉक्टरों की टीम ने 40 मिनट तक ऑपरेशन कर बच्ची के पेट से 350 से 400 ग्राम बालों का गुच्छा निकालकर उसकी जान बचाई।

- आंतों तक फैला था गुच्छा, 9 डॉक्टरों की टीम ने किया ऑपरेशन
- ट्राइको बेजार बीमारी से पीड़ित बच्ची खुद के बाल खा रही थी

मेडिकल कॉलेज अस्पताल के अधीक्षक डॉ. महेंद्र डामोर ने बताया, 16 अप्रेल की रात के समय खडगदा गांव की एक 5 साल की बच्ची को लेकर उसके माता-पिता अस्पताल पहुंचे। माता-पिता ने बताया कि बच्ची को भूख नहीं लगती है। पेट में सूजन है और खाने-पीने में तकलीफ होती है। वरिष्ठ सर्जन डॉ. सुषमा यादव ने बच्ची की जांच करवाई, जिसमें बच्ची के पेट में बालों का गुच्छा होने का पता लगा। इस पर बच्ची को भर्ती कर लिया। बुधवार को ऑपरेशन करना तय किया।

डॉ. महेंद्र डामोर, डॉ. सुषमा, डॉ. अर्जुन खराडी, डॉ. रजत यादव, डॉ. सुहानी गडिया, डॉ. विनिता गोदा, डॉ. अमित जैन, डॉ. कुश, डॉ. कमला के साथ पुष्पा कटारा, जावेद, माया की टीम ने बुधवार को ऑपरेशन किया।

डॉ. सुषमा ने बताया बाल खाने की आदत खासकर यूथ महिलाओं में होती है। छोटे बच्चों में ये आदत बहुत कम होती है। इसे ट्राइकोबेजार बीमारी कहते हैं। इसके बाद पेट में ये बाल गुच्छे की तरह जमा हो जाते हैं। इससे खाने-पीने की क्षमता खत्म हो जाती है। ऑपरेशन के बाद बच्ची की तबीयत अब ठीक है।

श्रद्धालुओं पर टूट पड़ी मधुमक्खियां, एक दर्जन घायल

कुलोदय दुर्गा माता मंदिर में मधुमक्खियों का हमला

झुंझुनूं, (निसं)। जिला मुख्यालय के साथ लगते कुलोद कलां गांव में स्थित श्री कुलोदय दुर्गा मंदिर में श्रद्धालुओं पर मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। जिसमें सोती गांव के एक ही परिवार के सदस्यों के साथ-साथ एक दर्जन के करीब श्रद्धालु घायल हो गए।

सोती निवासी नंदकुमार का परिवार बुधवार दोपहर में अपने गांव से कुलोद कलां स्थित श्रीकुलोदय दुर्गा माता मंदिर में जात लगाने गए थे। जैसे ही मंदिर के मुख्य द्वार पर पहुंचे तो मधुमक्खियां उन पर टूट पड़ी। सोती परिवार के इन सदस्यों के अलावा अन्य मौजूद श्रद्धालुओं ने बचने की कोशिश की और इधर-उधर भागकर अपनी जान बचाई। फिर भी मधुमक्खियों के हमले से एक दर्जन श्रद्धालु चपेट में आ गए। इनमें से सोती से गए परिवार के चार सदस्यों को झुंझुनूं के बीडीके अस्पताल भर्ती करवाया गया है। इनमें सोती निवासी विक्रम सिंह, अंकिता, मितांश के अलावा नरसिंहपुरा निवासी कुलदीप शामिल है। घायलों को एंबुलेंस द्वारा बीडीके अस्पताल पहुंचाया गया। इधर बीडीके अस्पताल में चिकित्सकों ने घायलों का इलाज शुरू कर दिया गया हैं।

जमीन धंसने से 150 फीट चौड़ा गड्ढा बना

लूणकरनसर, (निसं)। तहसील के सहजरासर गांव की रोही में रात को अचानक जमीन धंसने से एक बड़ा गहरा गड्ढा बन गया है। मौके पर पहुंचे पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों ने जायजा लेते हुए सुरक्षा की दृष्टि से इस क्षेत्र में आवागमन को रोक दिया है। जमीन धंसने से 150 से 200 फीट लम्बा-चौड़ा तथा 70-80 फीट गहरा गड्ढा हो गया। जमीन धंसने के साथ ही करीब 50-60 फीट तक सड़क भी जमींदोज हो गई है। इससे सड़क से आवागमन बाधित हो गया है।

ढाणी भोपालाराम से सहजरासर धंसने के मामले को लेकर भूगर्भ विभाग की टीम ने भी मौके पर पहुंचकर जायजा लिया, लेकिन जमीन धंसने का कारण पता नहीं चला है।

जानकारी के मुताबिक देर रात करीब तीन बजे ढाणी भोपालाराम से सहजरासर गांव जाने वाली सड़क पर सहजरासर गांव की रोही में जगूनाथ के खेत में अचानक जमीन धंस गई। जमीन धंसने से बने गड्ढे से सड़क गायब हो गई। इस दौरान रात करीब तीन बजे खारड़ा गांव के लोग जीप में लूणकरनसर से अपने गांव जा रहे थे। जीप एकदम गहरे गड्ढे के किनारे ही रुकने से हादसा टल गया। इसके बाद ग्रामीणों ने पास के गांव के लोगों को बुलाकर जीप को गड्ढे से दूर किया। हालांकि इससे पहले रात ढाई बजे एक ट्रक इस रोड से आया था। तब जमीन धंसी हुई नहीं थी।

- भूगर्भ विभाग की टीम ने भी मौके पर पहुंचकर जायजा लिया

जमीन धंसने की सूचना मिलने पर उपखण्ड अधिकारी राजेन्द्र कुमार, पुलिस वृत्ताधिकारी नरेन्द्र पूनिया, कालू थानाधिकारी धर्मवीर, एएसआइ रामनिवास मीणा समेत जनप्रतिनिधि मौके पर पहुंचे। जमीन धंसने से कौतूहल की स्थिति बनी हुई है तथा बड़ी तादाद में लोग गढ्डे को देखने के लिए दिनभर पहुंच रहे थे। लोगों को रोकने के लिए पुलिस जाब्ता लगाया गया।

सहजरासर गांव की रोही में जमीन धंसने की सूचना मिलने के बाद भूगर्भ विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची है। वरिष्ठ भू-वैज्ञानिक मनोहरलाल राठौड़, वरिष्ठ भू-वैज्ञानिक हकीम व सार्वजनिक निर्माण विभाग के कनिष्ठ अभियंता सौरभ भाटी ने घटना स्थल पर जायजा लिया है। टीम को अभी तक जमीन धंसने का पता नहीं चला है। जांच के बाद स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। प्रशासन के अनुसार प्रथम दृष्टया भू-वैज्ञानिकों ने इस जगह को करीब 100 साल से ज्यादा गैर आबाद बताया है तथा जमीन नीचे से खोखली होने या पानी का बहाव क्षेत्र होने से धंसने का अनुमान लगाया जा रहा है। जमीन धंसने से खेत में खड़े खेजड़ी के पेड़ जमींदोज हो गए है तथा कई पेड़ टेडे-मेढ़े खड़े दिखाई दे रहे है।

सहजरासर गांव के पास एक खेत में जमीन धंसने के मामले को लेकर ग्रामीणों ने बताया कि इस जगह करीब सौ साल पहले आकाशीय बिजली गिरी थी। इसी कारण इस जगह को लेकर आम बोचचाल में बिजल खाड के नाम से पुकारते है। ग्रामीणों ने बताया कि इस जगह पिछले कई साल से एक-दो फीट जगह धीरे-धीरे धंसती आ रही है। इससे इस जगह सड़क भी हर साल क्षतिग्रस्त होती थी।

107 वर्षीया राधीबाई ने मतदान किया

उदयपुर, (निसं)। लोकसभा आम चुनाव-2024 के दूसरे चरण के तहत चल रही होम वोटिंग में वरिष्ठ नागरिक और दिव्यांगजन पूरे उत्साह से सहभागिता निभा रहे हैं। होम वोटिंग टीमें भी भीषण गर्मी और भौगोलिक विषमता सहित तमाम चुनौतियों को पार कर अपने दायित्वों का पूर्ण मनोयोग से निर्वहन कर रहे हैं।

होम वोटिंग का प्रथम चरण 14 अप्रेल से प्रारंभ हुआ। जिले में गठित 70 मतदान दल प्रतिनिधि अपने आवंटित क्षेत्र में चिन्हित मतदाताओं के घर-घर पहुंच कर मतदान करा रहे हैं। इसी क्रम में बुधवार को मावली विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत मांगथला में मतदान दल ने 107 वर्षीया राधीबाई पत्नी प्यारचंद के घर पहुंच कर उनसे डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान कराया। घर बैठे वोट करने की सुविधा मिलने पर राधीबाई के चेहरे पर खुशा झलक रही थी।

उन्होंने जिला प्रशासन और चुनाव आयोग का आभार व्यक्त किया। राधीबाई ने मतदान दल को बताया कि देश की आजादी के बाद हुए पहले चुनाव में भी उसे मताधिकार का उपयोग किया था। वहीं इसके बाद जब-जब भी चुनाव हुए उसने हमेशा वोटिंग की है। उम्र के इस पड़ाव पर आने के बावजूद मतदान के प्रति उनके उत्साह को देखकर मतदान दल भी आश्चर्यचकित हुआ और लोकतंत्र के प्रति आस्था की प्रशंसा की।

107 वर्ष की आयु में राधीबाई को होम वोटिंग के तहत मतदान कराने पहुंची टीम।

किसान की मौत

भीलवाड़ा, (निसं)। खेत पर दवा छिड़काव के दौरान दवाई शरीर में जाने से किसान की हालत बिगड़ गई। किसान की तबीयत बिगड़ने का पता उसके छोटे भाई को दोपहर बाद लगा जब वो अपने बड़े भाई को ढूंढने के लिए उसे खेत पर गया और वहां उसे बेहोश हालत में देखा। भाई उसे पहले कस्बे के हॉस्पिटल में इलाज के लिए लेकर आया और यहां से उसे भीलवाड़ा महात्मा गांधी हॉस्पिटल में रेफर किया गया जहां आज सुबह इलाज के दौरान किसान की मौत हो गई। मामला बीगोद थाना क्षेत्र का है। थाना क्षेत्र में किरों की झोपड़िया में रहने वाला शंकर पिता भोजा भील (35) मंगलवार को मिर्ची की फसल में दवा का छिड़काव करने गया था । दोपहर बाद तक भी जब वो घर नहीं लौटा तो उसका छोटा भाई मदन उसे ढूंढने खेतों की ओर गया, वहां उसे शंकर बेहोश हालत में मिला। मदन बेहोश भाई को तुरंत इलाज के लिए बीगोद हॉस्पिटल लेकर पहुंचा और यहां हालत बिगड़ने के बाद उसे भीलवाड़ा महात्मा गांधी हॉस्पिटल में रेफर किया गया , जहां आज सुबह इलाज के दौरान शंकर की मौत हो गई।

आईएएस बनकर जोधपुर लौटने पर कृष्णा का जोरदार स्वागत

जोधपुर, (कासं)। सिर्फ 22 साल की उम्र में पूरे देश में सूर्यनगरी का नाम रोशन करने वाली कृष्णा जोशी आज दिल्ली से जोधपुर लौटी। इस दौरान उनके परिजनों, समाज व अन्य लोगों ने जोरदार स्वागत किया। कृष्णा पहले प्रयास में ही 73वीं रैंक के साथ आईएएस बनीं है। इस साल के यूपीएससी के परिणाम में छात्राओं में कृष्णा संभवत: सबसे कम उम्र की आईएएस हैं।

बचपन से ही आईएएस बनने का ख्वाब संजोए कृष्णा ने जुनून के साथ लगातार 18 घंटे की पढ़ाई कर पहले प्रयास में ही सफलता हासिल की है। कृष्णा ने तैयारी के दौरान सोशल मीडिया से तो दूरी बनाए ही रखी, दो साल से माता-पिता व परिवारजनों से भी दिनभर में केवल खाने के समय 15 मिनट बातचीत करती थी। कृष्णा की 12वीं तक की पढ़ाई जोधपुर के एक निजी स्कूल में हुई थी। कृष्णा बचपन से ही आईएएस बनना चाहती थी। वो पढ़ाई में हमेशा से मेधावी थी। दिल्ली के लेडी श्रीराम कॉलेज से अंग्रेजी में ऑनर्स किया। यहां उसने गोल्ड मैडल हासिल किया था। वह दो साल से तो घर ही नहीं आई और ना ही किसी फंक्शन में हिस्सा लिया।

आईएएस बनकर लौटी कृष्णा जोशी का लोगों ने स्वागत किया।

अमित शाह कल उदयपुर में रोड शो करेंगे

उदयपुर, (निसं)। भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह शुक्रवार को उदयपुर में आएंगे। वे यहां भाजपा प्रत्याशी मन्नालाल रावत के समर्थन में रोड़ शो करेंगे। शाह के कार्यक्रम को लेकर व्यवस्थाओं के निमित्त बुधवार को जिला अध्यक्ष रवीन्द्र श्रीमाली की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई जिसमें रोड़ शो की रूपरेखा तैयार की गई।

लोकसभा संयोजक प्रमोद सामर ने प्राथमिक जानकारी देते हुए बताया कि अमित शाह 19 अप्रेल शाम 6 बजे उदयपुर में अपना रोड़ शो करेंगे। यह रोड़ शो देहलीगेट से शुरू होकर बापूबाजार, सूरजपोल होते हुए अस्थल मंदिर पर सम्पन्न होगा।

जिलाध्यक्ष रवींद्र श्रीमाली ने बताया कि उन्होंने स्वयं प्रशासनिक अधिकारियों से चर्चा कर मार्ग तय किया वह सभी पदाधिकारियों को बताया।

- भाजपा प्रत्याशी मन्नालाल रावत के समर्थन में रोड शो करेंगे

उन्होंने प्रदेश जिला एवं मंडल व मोर्चा के पदाधिकारी को रोड शो की व्यवस्था के संबंध में दायित्व दिए। रोड़ शो के मार्ग में संस्कृतिक व सामाजिक झांकियां, पारंपरिक नृत्य एवम अन्य आकर्षक प्रस्तुतियों की भी व्यवस्था की जाएगी ताकि रोड शो का जनमानस में अनुकूल प्रभाव पड़े। बैठक को शहर विधायक ताराचंद जैन, उप महापौर पारस सिंघवी ने भी संबोधित किया। भाजपा मीडिया संभाग प्रभारी चंचल अग्रवाल ने बताया कि बैठक में छोगालाल भोई, प्रेम सिंह शक्तावत, अशोक आमेटा, भरत जोशी ने भी सुझाव प्रदान किये।

अबकी बार 400 पार के नारे से बौखलाया इंडी गठबंधन जमानत बचाने के लिए फैला रहा झूठ : कैलाश मेघवाल

जयपुर, (कासं)। भाजपा एससी मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष कैलाश मेघवाल ने प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि इंडी गठबंधन पूरी तरह हताश निराश होकर अंतर्कलह से झूझ रहा है। देश के सबसे लोकप्रिय नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अबकी बार 400 पार वाले नारे से घबराकर इंडी गठबंधन ने एक झूठ फैलाना शुरू कर दिया कि भाजपा सत्ता में आने के बाद संविधान को बदलकर आरक्षण खत्म करेगी।

इंडी गठबंधन अपनी जमानत बचाने के चक्कर में एससी-एसटी वर्ग को गुमराह कर रहा है। देश की जनता को पता है पिछले दस सालों में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में दलितों के हित में ऐतिहासिक कार्य हुए हैं। वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद में खुद यह कहा था कि जब तक भाजपा सत्ता में है आरक्षण से किसी प्रकार की छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं होगी। एससी मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष कैलाश मेघवाल ने कहा कि कांग्रेस हमेशा दलित विरोधी और बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के खिलाफ रही है।

संविधान निर्माण के समय जब बाबा साहब ने आरक्षण का प्रावधान लागू किया तो कांग्रेस ने आरक्षण का विरोध किया। वहीं आरक्षण में दस साल बाद समाप्त करने और समीक्षा करने जैसे अडंगे लगाए। 27 जून 1961 को तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने देश के सभी मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखकर सरकारी भर्तियों में आरक्षण समाप्त करने की बात कही थी। मुख्यमंत्रियों द्वारा विरोध करने पर उन्हे अपनी गलती का पता चला। इंदिरा साहनी बनाम भारत संघ के लीडिंग केस के माध्यम से आरक्षण को कमजोर करने का प्रयास कांग्रेस सरकार के समय किया गया था, लेकिन अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने तीन नये संसोधन करके एससी-एसटी और ओबीसी वर्ग के आरक्षण को मजबूत करने का काम किया।

- 'आरक्षण और संविधान खत्म करने के नाम पर अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग को गुमराह करने वाली कांग्रेस ने हमेशा आरक्षण का विरोध किया'
- 'प्रधानमंत्री मोदी ने बाबा साहब की स्मृति में पंच तीर्थ नाम से लंदन और भारत में भव्य स्मारक बनवाए'

एससी मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष कैलाश मेघवाल ने कहा कि देश में पहली बार जब आम चुनाव हुए तो कांग्रेस ने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के खिलाफ प्रचार किया था। वहीं 1954 में महाराष्ट्र के भंडारा में हुए उपचुनाव में भी कांग्रेस के नेताओं ने बाबा साहब को हराने के लिए पूरी ताकत लगाई और उन्हे चुनाव हरा दिया। इससे आहत होकर बाबा साहब अवसाद में चले गये और 06 दिसंबर 1956 को उनका निधन हो गया। डॉ. भीमराव अंबेडकर के जीते जी कांग्रेस ने उन्हे भारत रतन नहीं देने दिया, इसके बाद वीपी सिंह की सरकार आने के बाद अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवानी की सिफारिश पर बाबा साहब को भारत रतन से नवाजा गया।

कांग्रेस ने कभी भी बाबा साहब की स्मृतियों से जुड़े स्थानों को महत्व नहीं दिया। वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पंच तीर्थ नाम से बाबा साहब के जन्म स्थान महु पर भव्य स्मारक निर्माण कराया, शिक्षा स्थल10 किंग्स हेनरी रोड लंदन, नागपुर, 26 अलीपुर रोड दिल्ली पर राष्ट्रीय स्मारक और दादर मुंबई पर बाबा साहब का भव्य स्मारक बनाया है। 200 करोड की लागत से जनपथ दिल्ली में विशाल इंटरनेशनल एक्सीलेंस सेटर निर्माणाधीन है। इसके साथ ही 400 करोड की लागत से मुंबई में 7.04 हैक्टेयर जमीन पर बाबा साहब का भव्य स्मारक बनाया जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2014 में शपथ लेते समय कहा था कि समाज कें अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति का सर्वांगीण विकास ही मोदी की जिम्मेदारी है। विकसित भारत 2047 के लिए भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का यही विजन है। प्रेसवार्ता के दौरान मंच पर एससी मोर्चा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतीश चंदेल, मोर्चा के महामंत्री मुकेश गर्ग और प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ मौजूद रहे।

500 साल बाद यह पहली रामनवमी जब रामलला राममंदिर में विराजे : मंजू शर्मा

जयपुर, (का.सं.)। भाजपा प्रत्याशी मंजू शर्मा ने आज जयपुर शहर लोकसभा क्षेत्र में विभिन्न समाजों की बैठकों में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने आमजन को रामनवमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि 500 साल बाद यह पहली रामनवमीं है जब रामलला अपनी जन्मस्थली अयोध्या में बनाए गए भव्य राममंदिर में विराजे हैं।

प्रदेश प्रवक्ता लक्ष्मीकांत पारीक और मीडिया समन्वयक मुकेश भारद्वाज ने बताया कि भाजपा प्रत्याशी मंजू शर्मा का आज सुबह सांगानेर विधानसभा के मानसरोवर क्षेत्र में विप्र फाउण्डेशन की ओर से आयोजित बैठक में भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा प्रत्याशी मंजू शर्मा ने कहा कि देश को विकसित राष्ट्र बनाने और आने वाले समय में विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को कंधों को मजबूत करना जरूरी है। ब्राह्मण समाज भाजपा की नींव रहा है और समाज का जुडाव पार्टी के साथ ही रहा है। केन्द्र सरकार ने आर्थिक रूप से पिछडों को 10 फीसदी आरक्षण देकर बडी पहल की है। इससे समाज के युवाओं का जीवन स्तर सुधारने में मदद मिलेगी। भाजपा प्रत्याशी मंजू शर्मा ने खोले के हनुमानजी मंदिर में धोबी समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन में शिरकत की और नवविवाहित जोडों को आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा ही ऐसी पार्टी है जो समाज के सभी वर्गो को साथ लेकर चलती है। मानसरोवर में आयोजित विप्र फाउण्डेशन की बैठक में सांसद रामचरण बोहरा ने कहा कि राजस्थान में इस बार भी बीजेपी प्रदेश की सभी 25 सीटें भारी मतों से जीतेगी और नरेन्द्र मोदी 400 से ज्यादा सीटों के साथ फिर से प्रधानमंत्री बनेंगे। राजस्थान में डबल इंजन की सरकार लोगों की मंशा के अनुसार काम करेगी। पीएम मोदी की गारंटी ने लोगों को कई सुविधाएं दी हैं। देश विकसित भारत की ओर अग्रसर है। राम मंदिर मोदी के नेतृत्व में संभव हुआ है।

उन्होंने समाज के लोगों से आह्वान किया कि जिस प्रकार पिछले दो चुनावों में भाजपा को प्रचण्ड समर्थन देकर विजयी बनाया है उसी तर्ज पर इस बार भी भाजपा प्रत्याशी मंजू शर्मा को जीत दिलाकर केन्द्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथ मजबूत करने हैं।

इन कार्यक्रमो में भाजपा के शहर पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष व कार्यकारिणी के साथ ही संगठन के मोर्चों विभागों और प्रकोष्ठों के पदाधिकारी व कार्यकर्ता उनके साथ रहे।

रामनवमी के अवसर पर गुरूवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने परिवार सहित कन्याओं का पूजन किया और उन्हें भोज करवाया।

गाजे-बाजे के साथ नगर भ्रमण को निकले रामलला

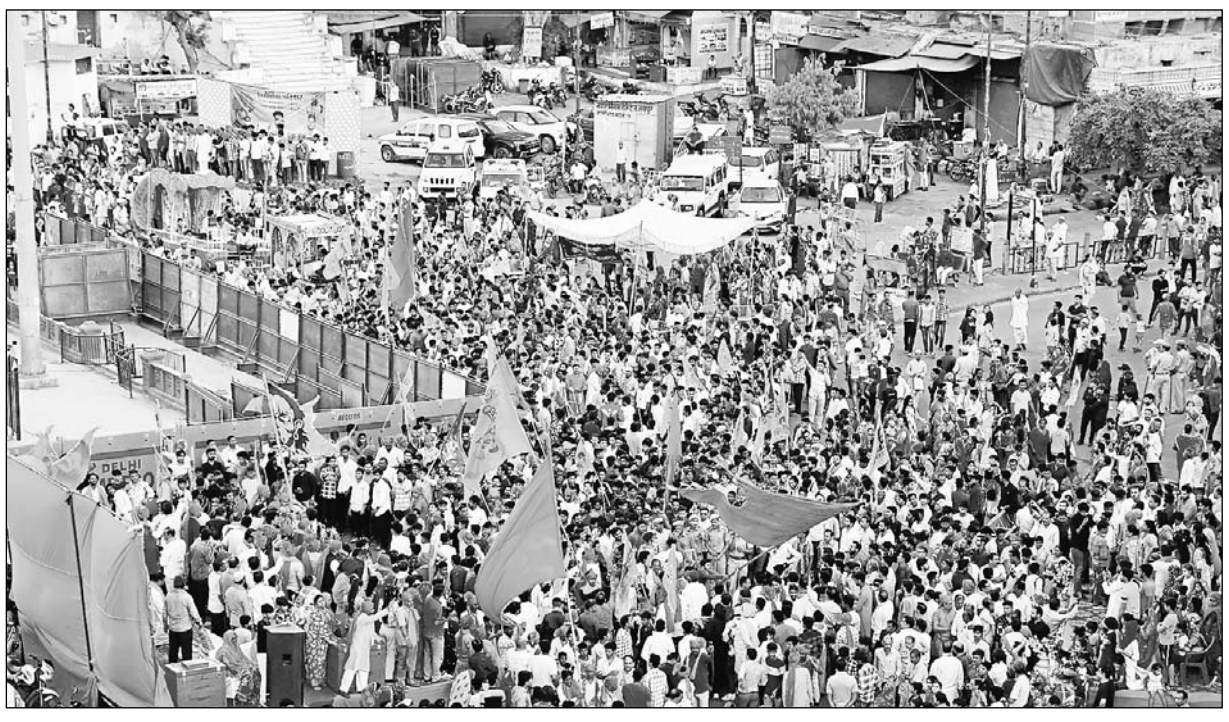

श्रीराम कृष्ण जयंती महोत्सव समिति की ओर से रामनवमी पर बुधवार को निकाली गई भगवान श्रीरामचन्द्र जी शोभायात्रा के स्वागत के लिये परकोटे में हजारों लोग उमड़े।

जयपुर। चैत्र शुक्ल नवमी को राम लला का प्राकट्योत्सव दोपहर को अभिजीत मुहूर्त में भक्तिभाव से मनाया गया। छोटीकाशी के सभी राम मंदिरों में जन्माभिषेक, पलना झांकी, बधाईगान, महाआरती, भजन संध्या सहित अनेक धार्मिक आयोजन हुए। इसमें बडी संख्या में श्रद्धालओं ने हाजिरी लगाई।

चांदपोल बाजार स्थित मंदिर श्री रामचन्द्रजी में 101 हवाई गर्जना के साथ रामलला की जन्म महाआरती हुई। इससे पूर्व राम दरबार का पंचामृत अभिषेक किया गया। अभिषेक के बाद भक्त समाज ने बधाई के पदों का गान किया। जन्म आरती के बाद बधाई के लड्डू बांटे गए। महंत नरेंद्र तिवाडी ने बताया कि सुबह मंगला आरती से ही ठाकुरजी के मनोरथ शुरू हो गए। मंगला दर्शन में ठाकुरजी को मखमली सुनहरी पोशाक धारण करवाई गई। पंचामृत अभिषेक कर षोडशोपचार पूजन किया गया। अभिषेक के बाद रजवाडी जरदोजी की पोशाक धारण कराकर मोती-माणक के आभूषण से श्री रामलला का शृंगार किया गया। इसमें बलेवारा, मोती कंठी, भुजबंद, तुस्सी, सिरपेच, नथ बेसर, कड़े, तुर्रे, हीरे की माला प्रमुख थे।

वहीं दूसरी ओर श्रीराम कृष्ण जयंती महोत्सव समिति की ओर से निकाली गई भगवान श्रीरामचन्द्र जी शोभायात्रा से छोटीकाशी की चारदीवारी राममय हो गई। भगवान श्रीराम की विभिन्न लीलाओं और रूप की जीवंत और रथ झांकी देखकर श्रद्धालु गदगद हो गए। शोभायात्रा जिधर से गुजरी उधर ही बड़ी संख्या में लोग श्रीराम प्रभु के दर्शनों के लिए उतावले दिखे। जगह-जगह पुष्प वर्षा और आरती कर शोभायात्रा का स्वागत किया गया।

खाचरियावास ने जयपुर में निकाली राम रथ यात्रा

जयपुर, (का.प्र.)। राजस्थान में पहले दौर के 19 अप्रैल को होने वाले मतदान से पहले प्रचार का शोर बुधवार की शाम 6 बजे थम गया। इससे पहले जयपुर शहर लोकसभा में कांग्रेस उम्मीदवार प्रताप सिंह खाचरियावास ने चारदीवारी क्षेत्र में वाहन रैली निकालने के साथ शक्ति प्रदर्शन तो किया ही, साथ ही कांग्रेस की एकता का प्रदर्शन भी किया गया। जहां दोनों विधायकों के साथ सभी विधानसभा क्षेत्र के उम्मीदवार भी वाहन रैली में शामिल हुए। खाचरियावास के समर्थन में निकाली गई यह वाहन रैली, जिसे राम रथ यात्रा का नाम दिया गया, क्योंकि रामनवमी का मौका देते हुए खाचरियावास के इस काफिले में दो रथ बनाए गए थे।

बारह सीटों पर प्रचार थमा

जयपुर, (का.प्र.)। राजस्थान की 12 लोकसभा सीटों पर होने वाले पहले चरण के चुनाव के लिए प्रचार का शोर थम गया है। शाम 6 बजने के साथ ही अब प्रत्याशी सिर्फ दो टू डोर ही प्रचार कर सकेंगे। राज्य निर्वाचन विभाग ने मतदान के अंतिम 48 घंटे के लिए दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। जिसके अनुरूप प्रत्याशी किसी भी तरह के लाउडस्पीकर के साथ में प्रचार नहीं कर सकेंगे। साथ ही जुलूस भी नहीं निकाल सकेंगे। इतना ही नहीं निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन के अनुसार स्टार प्रचारकों को भी लोकसभा क्षेत्र की सीमाओं को छोड़ना होगा।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि राजस्थान में लोकसभा चुनाव 2024 के पहले चरण में मतदान के अंतिम 48 घंटे के लिए चुनाव प्रचार गतिविधियां शाम 6 बजे से थम गई। पहले चरण में गंगानगर, बीकानेर, चूरू, झुंझुनू, सीकर, जयपुर ग्रामीण, जयपुर, अलवर, भरतपुर, करौली-धौलपुर, दौसा और नागौर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में 19 अप्रैल को मतदान होगा। गुप्ता ने बताया कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 126 के अनुसार, इन लोकसभा क्षेत्रों में मतदान की समाप्ति के लिए नियत समय से 48 घंटों की अवधि आज शाम 6 बजे से आरंभ हो गई. ये मतदान समाप्ति अवधि 19 अप्रैल को शाम 6 बजे तक प्रभावी रहेगी।

नाबालिग का देह शोषण करने वाले अभियुक्त को 20 साल की सजा

जयपुर, (का.सं.)। जिले की पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत में 17 साल की नाबालिग पीड़िता को ब्लैकमेल कर उसके साथ करीब सवा दो साल तक देह शोषण करने वाले अभियुक्त राजेंद्र को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत में 32 वर्षीय इस अभियुक्त पर एक लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक विजया पारीक ने अदालत को बताया कि पीड़िता ने 22 नवंबर 2020 को रेनवाल पुलिस थाने में फिर दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि उसके पापा अक्सर बाहर रहते हैं और मां मजदूरी करने जाती है। ऐसे में वह घर पर अकेली रहती है। इस दौरान पड़ोस में रहने वाला ठेकेदार अभियुक्त उसके घर आता जाता था। अभियुक्त पिछले 2 साल से उससे दोस्ती करने का प्रयास कर रहा था। अप्रैल 2018 में जब वह घर पर अकेली थी तो अभियुक्त उसके घर आया और उसे बड़ा ठेका मिलने की बात कह कर कोल्ड ड्रिंक पिलाई। इसके बाद वह बेहोश हो गई जब उसे होश आया तो अभियुक्त और वह नग्न अवस्था में थे। अभियुक्त ने उसके साथ दुष्कर्म किया था। इस दौरान अभियुक्त ने उसे धमकी दी कि यदि उसने घटना की जानकारी किसी को दी तो वह उसकी अश्लील फोटो वायरल कर देगा। इसके बाद अभियुक्त कई बार उसके घर आया और धमकी देकर दुष्कर्म किया। अंतिम बार अभियुक्त ने 1 अगस्त 2020 को उससे दुष्कर्म किया था।

इंजीनियर्स व ठेकेदार की मनमानी के कारण करधनी में 2 साल बेवजह अटकी रही सड़क

टैंडर की शर्तों के मुताबिक दिसंबर 2021 में सड़क निर्माण शुरू कर जून-2022 तक काम पूरा करना था, दो वर्ष की इस लेटलतीफी का खामियाजा जनता ने भुगता

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । करधनी क्षेत्र में सड़क निर्माण को लेकर मजेदार तथ्य सामने आये हैं। जयपुर विकास प्राधिकरण ने करीब 2 करोड़ रु. की लागत से सड़क बनाने का कम वर्ष 2021 में ही मैसर्स गोकुलनाथ कंस्ट्रक्शंस कंपनी को दे दिया था। ठेकेदार को 18 दिसंबर 2021 को सड़क निर्माण कार्य शुरू करवाकर उसे 17 जून 2022 तक पूरा करना था। इसके बाद 3 वर्ष तक सड़क का मेंटीनेंस करना था।

सूत्रों की मानें तो ठेकेदार फर्म ने करधनी क्षेत्र में यह सड़क बिना वजह करीब 2 वर्ष तक अटकाये रखी, इसके बावजूद जे.डी.ए. के इंजीनियर्स ने ना तो ठेकेदार को कोई नोटिस थमाया और ना ही ब्लैक लिस्टेड करने जैसी कार्रवाई की। अब करीब सवा 2 साल बाद उसी पुराने वर्क ऑर्डर पर करधनी क्षेत्र में डामर की सड़कें बनाई गई है। हालांकि दो वर्ष में डामर की कीमतों में वृद्धि के कारण जे.डी.ए. को करीब एक करोड़ रु. का एक्सलेशन चार्ज भी देना पड़ेगा। जो कि डामर की कीमत में अंतर के कारण आया है।

उधर जे.डी.ए. के इंजीनियर्स का कहना है कि करधनी क्षेत्र में गत वर्ष जलदाय विभाग और टोरेंट गैस कंपनी ने रोड कट किया था, इस कारण यह सड़क हमने अब बनाई है। जबकि हकीकत यह है कि सड़क निर्माण का कार्य तो मैसर्स गोकुलनाथ कंस्ट्रक्शंस को दिसंबर-2021 में ही शुरू करना था। ऐसे में गत वर्ष के रोड कट का तो इस पर कोई प्रभाव ही नहीं पडना था।

सूत्रों की मानें तो जे.डी.ए. के इंजीनियर्स और ठेकेदार फर्म ने जान-बूझकर सवा 2 साल बाद सड़क निर्माण इसलिए शुरू किया है, ताकि उसे 3 वर्ष के लंबे मेंटीनेंस की जिम्मेदारी नहीं लेनी पड़े। क्योंकि जे.डी.ए. प्रशासन ने करधनी क्षेत्र में इस सड़क निर्माण प्रोजेक्ट को लेकर जो सूचना बोर्ड लगाए हैं, उस पर साफ अंकित है कि करधनी क्षेत्र में सड़कों के नवीनीकरण का काम 18 दिसंबर 2021 को शुरू होना है और 17 जून 2022 को सड़क निर्माण का कार्य पूर्ण होगा। सड़क बनने के बाद 3 वर्ष तक यानि कि जून-2022 से लकर जून-2025 तक ठेकेदार फर्म इस सड़क में होने वाली टूट-फूट का रखरखाव करेगा।

चूंकि अब यह सड़क मार्च-अप्रैल 2024 में बनी है तो इसके रखरखाव का जिम्मा वर्ष 2027 तक का होना चाहिए। चूंकि जे.डी.ए. ने करधनी क्षेत्र में 2 वर्ष पुरानी तारीख में ही सड़क निर्माण प्रोजेक्ट के बोर्ड लगवा दिए, ताकि लोगों को लगे कि सड़क का मेंटीनेंस वर्क सिर्फ जून-2025 तक का ही रहेगा। स्थानीय लोगों की मानें तो करधनी क्षेत्र में हाल ही में बनाई गई सड़क की गुणवत्ता भी सही नहीं है। डामर की मोटाई भी कम है। डामर की मोटाई कम होने से सड़क फिर से बिखरने का खतरा बना हुआ है।

वहीं दूसरी ओर जोन-7 के सहायक अभियंता का कहना है कि हमने सड़क की जांच की है, उसकी गुणवत्ता ठीक है। एम.एन.आई.टी. से थर्ड पार्टी जांच भी करायी है।

- इंजीनियर्स ने करीब सवा 2 वर्ष पुराने वर्क ऑर्डर पर मैसर्स गोकुलनाथ कंस्ट्रक्शन कंपनी से सड़क अब बनवाई हैं, लेटलतीफी पर ना तो फर्म को नोटिस थमाया और ना ही ब्लैकलिस्टेड किया
- अब इंजीनियर्स अपनी गलती पर पर्दा डालने के लिए कह रहे हैं कि, गत वर्ष करधनी में जलदाय विभाग और टोरेंट गैस कंपनी ने रोड कट ले लिया था, इस कारण हमने सड़क नहीं बनाई
- सूत्रों की मानें तो करधनी क्षेत्र में जे.डी.ए. ने बाकायदा बोर्ड लगाकर सड़क निर्माण कार्य शुरू और खत्म करने की तारीख दो वर्ष पूर्व की लगा रखी है, ठेकेदार को 3 वर्ष सड़क का मेंटीनेंस करना है, इसलिए जानबूझकर यह काम देरी से शुरू हुआ

भांकरोटा थाने के पुलिसकर्मियों ने बेटे के सामने उसके सी.ए. पिता को पीटा

बुजुर्ग महिला के साथ भी की हाथापाई; 4 लोगों को किया गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर में पुलिसकर्मियों का अमानवीय चेहरा सामने आया है। पुलिसकर्मियों ने एक सीए को उसके बेटे के सामने बुरी तरह से पीटा। पिता को छुडाने के लिए बच्चे ने पुलिसकर्मियों के पैर तक पकड़ लिए, लेकिन पुलिसकर्मियों का दिल नहीं पसीजा और सीए को बुरी तरह पीटते रहे। घटना भांकटरोटा क्षेत्र के जयसिंहपुरा की है। पुलिसकर्मियों की मारपीट में सीए गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस परिवार के 4 लोगों को गिरफ्तार कर थाने ले गई। यहां तक कि परिवार की महिलाओं से भी हाथापाई की गई है।

- पति-पत्नी के बीच विवाद में महिला के साथ उसके ससुराल पहुंची थी पुलिस
- बताया जा रहा है कि युवक को पीटने वाले भांकरोटा थाने के हैडकांस्टेबल और कांस्टेबल को सस्पैंड कर दिया गया है

जानकारी के अनुसार जयसिंहपुरा निवासी चिरंजीलाल (35) सीए है। एक प्राइवेट कंपनी में काम करता है। चिरंजीलाल की शादी 9 साल पहले डिंपल के साथ हुई थी। दंपती के बीच 1 साल से विवाद चल रहा है। मंगलवार को डिंपल भांकरोटा थाना पुलिस के साथ अपने ससुराल पहुंची। परिवार के लोग घर पर नहीं थे। डिंपल ने मकान का ताला तोड़ने की कोशिश की। पडौसियों ने इसकी सूचना चिरंजीलाल को दी। चिरंजीलाल मौके पर पहुंचा। पुलिस और अपनी पत्नी से ताला तोड़ने का कारण पूछा तो पुलिसकर्मियों ने चिरंजीलाल के साथ मारपीट शुरू कर दी। पीड़ित के परिजनों ने बताया कि पिता के साथ मारपीट होने पर बेटे गौरांश शर्मा (7) ने एक पुलिसकर्मी का पैर पकड़कर पिता को छुडाने की कोशिश की, लेकिन पुलिसकर्मियों का दिल नहीं पसीजा। मारपीट करते हुए पुलिसकर्मी चिरंजीलाल को अपनी गाड़ी तक लेकर आए। परिवार की महिलाओं ने पुलिसकर्मियों को रोका तो महिला पुलिसकर्मी ने बुजुर्ग महिला के साथ हाथापाई कर दी। यही नहीं पुलिसकर्मी चिरंजीलाल के पिता शंकर लाल शर्मा, चाचा रमेश शर्मा और भाई बाबूलाल शर्मा को गिरफ्तार कर थाने ले आई। पुलिसकर्मियों की मारपीट से चिरंजीलाल के हाथ पर गंभीर चोट लगी और उसकी आंख सूज गई है। घटना गंभीर, विभागीय जांच के दिए आदेश डीसीपी वेस्ट अमित कुमार ने बताया कि घटना बहुत गंभीर है। पुलिसकर्मियों का कृत्य गलत है। इसकी विभागीय जांच के आदेश कर दिए है। बताया जा रहा है कि भांकरोटा थाने के हैड कांस्टेबल सुनील और कांस्टेबल राजपाल को इस मामले में सस्पैंड कर दिया गया है।

वालमार्ट मार्केट प्लेस ने लॉन्च किया "लैंडिंग पेज"

जयपुर, (का.सं.)। वालमार्ट ने आज भारतीय विक्रेताओं के लिए कंपनी की मार्केटप्लेस वेबसाइट वालमार्ट डॉट कॉम पर एक समर्पित लैंडिंग पेज लॉन्च करने की घोषणा की, जिसके माध्यम से वे साइट पर पंजीकरण एवं बिक्री कर सकेंगे।

साथ ही, वालमार्ट ने क्षेत्रीय स्तर पर सम्मेलनों की श्रृंखला शुरू करते हुए आज जयपुर, राजस्थान में पहले वैश्विक विक्रेता सम्मेलन का आयोजन भी किया। इन सम्मेलनों के माध्यम से संभावित विक्रेताओं को उपभोक्ताओं एवं कैटेगरी ट्रेंड्स से जुड़ी इनसाइट्स एवं जानकारी प्रदान करते हुए मदद की जाएगी और ऑनबोर्डिंग सपोर्ट व कैटलॉग सेटअप में सहयोग किया जाएगा। सालभर पूरे देश में वैश्विक विक्रेता सम्मेलन आयोजित करने की योजना है। वालमार्ट की इमर्जिंग मार्केट्स एंड बिजनेस डेवलपमेंट वाइस प्रेसिडेंट मिशेल मी ने कहा, 'वालमार्ट के लिए भारत प्राथमिकता वाला बाजार है और समर्पित लैंडिंग पेज लॉन्च करना भारतीय विक्रेताओं के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

श्री राजपूत सभा के सम्मेलन में 13 जोड़ों का पाणिग्रहण

जयपुर, (का.सं.)। श्री राजपूत सभा ने रामनवमीं के अवसर पर 13 जोडों के विवाह "श्री राजपूत सभा जगतपुरा छात्रावास" महल योजना, "ए" ब्लॉक विस्तार, जगतपुरा (जयपुर) में परम्परागत राजपूती रीति रिवाज से सम्पन्न करवाये गये। राजपूत सभा अध्यक्ष राम सिंह चन्दलाई एवं कार्यकारिणी समिति पदाधिकारियों-सदस्यों ने इस मांगलिक वैवाहिक आयोजन में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, खाटू श्याम मंदिर समिति अध्यक्ष प्रताप सिंह चौहान, महामण्डलेश्वर बालमुकुन्द आचार्य महाराज, (बालाजी धाम हाथोज,) एवं मौरिसिस से पधारे गहलोत राजपूत महासभा अध्यक्ष केविन रघुनाथ का साफे, शॉल, स्मृति चिन्ह, बुके देकर स्वागत किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं मंचस्थ अतिथियों ने संक्षिप्त उद्बोधन में नव विवाहित दम्पतियों को आशीर्वचन और उज्ज्वल एवं सुखद गृहस्थ जीवन के लिए शुभकामनायें प्रदान की। सभाध्यक्ष राम सिंह चन्दलाई ने बताया कि उक्त सामूहिक विवाह सम्मेलन में आर्थिक दृष्टि से अक्षम, बीपीएल, विधवा-विकलांग अभिभावकों के बच्चों के निःशुल्क विवाह करवाये गये (इनमें एक दुल्हा दिव्यांग था) और सभा व दानदाताओं के सहयोग से लगभग 2 लाख राशि का साजो सामान (उपहार / स्त्रीधन) जैसे दुल्हनों को सोनें की नाक की लोंग, कान की लोंग, राखडी, गले का पैण्डल, चांदी की पाजेब जोडी, बिछिया जोडी आभूषण एवं कुल 44 प्रकार के घरेलू आवश्यक समान प्रत्येक जोडे को प्रदान किये गये।

इस मांगलिक अवसर पर सभाध्यक्ष राम सिंह चन्दलाई, उपाध्यक्ष प्रताप सिंह राणावत, संगठन मंत्री धीर सिंह शेखावत, सहमंत्री मोहन सिंह बगड, कोषाध्यक्ष प्रधुमन सिंह मूंडरू, कार्यकारिणी सदस्य हेमेन्द्रकुमारी दूदू पृथ्वी सिंह कालीपहाडी, विरेन्द्र पाल सिंह, जोगेन्द्र सिंह सावरदा, एडवोकेट गजराज सिंह कैलाई, जितेन्द्र सिंह शेखावत, लोकेन्द्र सिंह लोटवाडा, हर्षवर्धन सिंह शेखावत, मूल सिंह शेखावत, महेन्द्र सिंह भंवरथला, श्रवण सिंह चौहान, जयपुर सांसद रामचरण बोहरा, श्रवण सिंह बगड़ी भाजपा प्रदेश महामंत्री मौजूद थे।

राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में नाटक "12 एंग्री मैन" का प्रभावी मंचन

कलाकारों के कसावट भरे अभिनय से बंधे रहे दर्शक

जयपुर, (का.सं.)। फोर्थ वॉल नाट्य संस्था की ओर से बुधवार को यहां राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर के मुख्य सभागार में दुनिया के सर्वाधिक खेले जाने वाले नाटक 12 एंग्रीमैन का प्रभावी मंचन हुआ। तमाम कलाकारों के कसावट भरे अभिनय व दमदार कथानक और अच्छी टाइमिंग के साथ सटीक संवाद अदायगी से दर्शक इस बहुचर्चित नाटक के अंत तक बंधे रहे।

अमरीकी नाटककार रेजीनॉल्ड रोज लिखित और रंजीत कपूर रूपांतरित इस नाटक का निर्देशन एनएसडीएन विशाल विजय ने किया। गौरतलब है कि राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर के एक साल पूरा होने के उपलक्ष में 17 से 19 अप्रैल तक यहां फाउंडेशन डे सेलिब्रेशन के तहत पहले दिन इस नाटक का मंचन किया गया। नाटक निर्देशक विशाल विजय ने बताया कि फोर्थ वॉल नाट्यय संस्था इस नाटक को साल 2019 से अब तक निरंतर प्रस्तुत कर रही है। नाटक के मुख्य भूमिका निभाने वाले प्रमुख कलाकारों में कुछ पहली प्रस्तुति से जुड़े हैं और कुछ कलाकारों का यह चौथा शो है। इसके अलावा ओम मीणा, राहुल जांगिड़ और मोहित भट्ट जैसे कलाकार इस नाटक में अभिनय के लिए मुंबई से आए।

इस नाटक का ताना-बाना एक मर्डर केस की बहस के इर्द-गिर्द बुना गया। इस यथार्थवादी नाटक में 12 प्रतिबद्ध कलाकारों ने अपने-अपने किरदारों को मूत्तरूप देकर कमाल की अभिनय जुगलबंदी दर्शायी। कलाकारों ने उम्दा अभिनय से कथानक के अंदरुनी तहों को छूने की पुरजोर कोशिश की। दर्शकों से खचाखच भरे आरआईसी के मुख्य सभागार में फोर्थ वॉल ड्रामेटिक सोसायटी जयपुर की इस बहुचर्चित प्रस्तुति में संचित जैन, अंकित शर्मा, योगेन्द्र सिंह परमार, चित्रार्थ मिश्रा, कमलेश बैरवा, मोहित भट्ट, ऋतिक शर्मा, संदीप मिश्रा, विपिन चौधरी, ओम मीणा, दीपक गुर्जर, राहुल जांगिड़ ने अपने शानदार अभिनय की छाप छोड़ी। जज की आवाज में रुचि भार्गव और गार्ड के रूप में विनय सैनी को दर्शकों की सराहना मिली।

इस नाटक के मुताबिक एक खून के अपराध पर विचार-विमर्श करने और दोषी को सर्वसम्मति से कसूरवार या बेकसूर के फैसले पर पहुंचने के लिए एक 12 सदस्यों की ज्यूरी का गठन किया जाता है, लेकिन ज्यूरी सदस्यों का अहम और उनके निजी पूर्वाग्रह उनके निष्पक्ष निर्णय की भावना में बाधा डालते हैं। पूरी कार्यवाही के दौरान ज्यूरी सदस्य एक-दूसरे को ज्यूरी नंबर से संबोधित करते हैं, लेकिन अपनी पहचान उजागर नहीं करते हैं। नाटक में प्रकाश संयोजन देशराज गुर्जर, ध्वनि संयोजन विमल मीणा, रूप सज्जा असलम पठान की रही। ध्वनि विन्यास आलोक शर्मा, विहेक, वस्त्र एसए अल्वी, आर्ट ईशाना पारीक की रही।

फॉर्म में चल रहे सुनील नारायण को इस साल के टी-20 विश्व कप के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास से वापसी करने के लिए मनाने की कोशिशें की जा रही हैं।

-रोवमैन पावेल

वेस्टइंडीज के कप्तान, सुनील नारायण के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

महेन्द्र सिंह धोनी

दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज एमएस धोनी के आईपीएल रिटायरमेंट की लंबे समय से अटकलें लग रही हैं। पिछली बार की तरह आईपीएल 2024 के दौरान भी इसकी चर्चा जारी है। दरअसल, धोनी ने आईपीएल 2023 के बाद कहा था कि वह फैंस के लिए एक सीजन और खेलेंगे। ऐसे में कहा जा रहा है कि 42 वर्षीय धोनी का बतौर प्लेयर यह आखिरी सीजन हो सकता है। हालांकि, धोनी के करीबी दोस्त और पूर्व धाकड़ बल्लेबाज सुरेश रैना की राय अलग है। उन्होंने एक शब्द बोलकर काफी कुछ क्लियर कर दिया है।

क्या आप जानते हैं ?... क्रिकेट इतिहास के 1877 में सबसे पहले टेस्ट में खेलने वाले एडवर्ड ग्रेगरी, उनके पुत्र सिड ग्रेगरी और उनके भतीजे जैक ग्रेगरी ने अपने टेस्ट जीवन की शुरुआत शून्य (0) से की।

दिल्ली ने गुजरात को 6 विकेट से हराया

8.5 ओवर में चेज किए 90 रन, लीग में आईपीएल का यह सबसे छोटा स्कोर

अहमदाबाद, 17 अप्रेल। दिल्ली कैपिटल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग 2024 के 32वें मुकाबले में गुजरात टाइटंस को 6 विकेट से हरा दिया। टीम ने 90 रन का टारगेट 8.5 ओवर में 4 विकेट खोकर चेज कर लिया। ओपनर जैक फ्रेजर-मैगर्क ने 10 बॉल पर 20, शाई होप ने 10 बॉल पर 19 और कप्तान ऋषभ पंत ने नाबाद 16 रन बनाए। संदीप को दो विकेट मिले।

अहमदाबाद में दिल्ली ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। गुजरात टाइटंस 17.3 ओवर में 89 रन पर ऑलआउट हो गई। टाइटंस ने लीग में अपना सबसे छोटा स्कोर बनाया। इससे पहले पिछले साल टीम दिल्ली के ही खिलाफ 125 रन बनाकर सिमट गई थी।

मुकेश कुमार ने 3 विकेट लिए, ईशांत शर्मा और ट्रिस्टन स्टब्स को 2-2 विकेट मिले। अक्षर पटेल और खलील अहमद को 1-1 विकेट मिला, वहीं एक बैटर रनआउट भी हुआ। गुजरात से राशिद खान ने 31 रन बनाए, बाकी कोई बैटर 15 रन का आंकड़ा भी पार नहीं कर सका। साई सुदर्शन ने 12 और राहुल तेवतिया ने 10 रन बनाए।

इस जीत के बाद दिल्ली की टीम पॉइंट्स टेबल में नौवें से छठे नंबर पर आ गई है। ऋषभ पंत की टीम को तीन स्थान का फायदा हुआ है। दिल्ली के पास कुल 7 में से 3 मैच जीतकर 6 अंक हासिल किए हैं। टीम को 4 मैचों में हार झेलनी पड़ी है। दूसरी ओर, गुजरात टेबल के 7वें नंबर पर आ गई है। गुजरात ने भी 7 में से 3 मैच जीते हैं, जबकि चार मैच में हार का सामना करना पड़ा है।

दिल्ली ने 90 रन का टारगेट 8.5 ओवर में चेज कर लिया है। नूर अहमद के ओवर की 5वीं बॉल पर सुमित कुमार ने चौका जमाते हुए टीम को जीत दिलाई। वे 9 रन पर नाबाद रहे, जबकि कप्तान ऋषभ पंत नॉटआउट 16 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

जवाबी पारी में दिल्ली ने मिलीजुली शुरुआत की। टीम ने पावरप्ले के 6 ओवर में 67 रन बनाने में 4 विकेट गंवा दिए। पृथ्वी शॉ 7, जैक फ्रेजर-मैगर्क 20, अभिषेक पोरेल 15 और शाई होप 19 रन बनाकर आउट हुए। 5वें ओवर की आखिरी बॉल पर दिल्ली ने तीसरा विकेट गंवाया। संदीप वॉरियर ने ओवर की आखिरी बॉल पर अभिषेक पोरेल को बोल्ड कर दिया।

अब से हर अभ्यास सत्र अहम : ओलंपिक के 100 दिनों की उलटी गिनती पर हमनप्रीत ने कहा

नई दिल्ली, 17 अप्रेल। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने बुधवार को कहा कि पेरिस ओलंपिक के लिए 100 दिन बचे हैं और ऐसे में हर दिन, हर अभ्यास और प्रशिक्षण सत्र का इस्तेमाल इसकी तैयारियों को बेहतर करने के लिए किया जायेगा। तोक्यो ओलंपिक का कांस्य पदक विजेता भारत मौजूदा विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर है। यह कान की मशीन कम सुनाई देने वालों के लिए वरदान साबित हो रही है।

हरमनप्रीत ने कहा कि वे पेरिस में अपने तोक्यो परिणाम में सुधार करना चाहते हैं। इस स्टार ड्रैग-फ्लिकर की टिप्पणी ऑस्ट्रेलिया के हालिया दौरे में भारत के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद आई, जहां मेजबान टीम ने उन्हें 0-5 से हराया था। हरमनप्रीत ने हॉकी इंडिया की एक विज्ञिप्त में कहा, "हम अभी ऑस्ट्रेलिया के मुश्किल दौरे से लौटे हैं। एक छोटे से ब्रेक के बाद हम फिर से मैदान में उतरेंगे। पेरिस ओलंपिक में केवल 100 दिन बचे हैं और टीम में उत्साह बढ़ रहा है।"

पॉवेल ने नरेन से रिटायरमेंट वापस लेने की रिक्वेस्ट की

नई दिल्ली, 17 अप्रेल। इंडियन प्रीमियर लीग में मंगलवार को कोलकाता नाइटराइडर्स के ओपनर सुनील नरेन ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच में 56 गेंदों पर 109 रन बनाए। मैच के बाद राजस्थान रॉयल्स से खेल रहे वेस्टइंडीज के कप्तान रोमैन पॉवेल ने कहा कि हम सुनील नरेन से रिटायरमेंट वापस लेने का अनुरोध कर रहे हैं। हमें उम्मीद है कि टी-20 वर्ल्ड कप के लिए टीम चुने जाने से पहले उनका मन बदल जाएगा। टी-20 वर्ल्ड कप 1 जून से वेस्टइंडीज और अमेरिका में हो रहा है। सुनील नरेन ने पिछले साल इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। वहीं 1 मई तक वर्ल्ड कप के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल को वर्ल्ड कप संभावितों की सूची भेजनी है। पॉवेल ने ब्रॉडकास्टर्स के साथ बातचीत में कहा, पिछले 12 महीनों से मैं सुनील से वेस्टइंडीज टी-20 टीम में वापसी का अनुरोध कर रहा हूं। उन्होंने सभी से दूरी बना रखी है। मैंने उनके सबसे अच्छे दोस्तों किरोन पोलार्ड, ड्वेन ब्रावो, निकोलस पूरन से कहा है कि वह नरेन को रिटायरमेंट वापस लेने के लिए मनाएं। मुझे उम्मीद है कि टी-20 वर्ल्ड कप से पहले उन्हें राजी कर लेंगे। पॉवेल ने कहा, राजस्थान रॉयल्स टीम को लेकर कि खिलाड़ी अच्छी स्थिति में हैं और यह लंबे समय तक जारी रहेगा। मैं वेस्टइंडीज के लिए नंबर 4 या 5 पर बल्लेबाजी करता हूं और अगर आपको लगता है कि वेस्टइंडीज एक अच्छी टी-20 टीम है तो आप मुझे ऊपर भेज सकते हैं। मैं टीम मैनेजमेंट भी इस पर बात करता रहूंगा। ऑलराउंडर सुनील नरेन में बल्ले और बैट दोनों से कमाल कर रहे हैं। गौतम गंभीर के के क्रिकेट डायरेक्टर बनाए जाने के बाद से सुनील नरेन इस सीजन में ओपनिंग कर रहे हैं। वह कोलकाता के टॉप स्कोरर हैं। उन्होंने 6 मैचों में 187.75 की स्ट्राइक रेट से 276 रन बनाए हैं। इसमें एक हाफ सेंचुरी और एक सेंचुरी शामिल है। वहीं 6 मैचों में 6.88 की इकोनॉमी रेट से गेंदबाजी करते हुए उन्होंने 7 विकेट भी लिए हैं।

लखनऊ सुपर जायंट्स ने दिया मयंक यादव की वापसी को लेकर अपडेट

नई दिल्ली, 17 अप्रेल। जल्द ही आईपीएल में मयंक यादव वापसी कर सकते हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स का ये तेज गेंदबाज चोट के चलते दो मैच नहीं खेल पाया और दोनों मैचों में लखनऊ सुपर जायंट्स को हार का सामना करना पड़ा। मयंक यादव ने अभी तक लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए इस सीजन में कुल तीन मैच खेले हैं। जिसमें से दो बार तो वह मैन ऑफ द मैच भी रहे।मयंक द्वारा खेले गए तीनों मैचों में लखनऊ सुपर जायंट्स ने जीत दर्ज की, जबकि जिन तीन मैचों में वह नही खेले, उन सभी में लखनऊ सुपर जायंट्स इस सीजन में हारा है। मयंक यादव की इंजरी पर बड़ा अपडेट दिया है। उनका ये नया वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया गया है। इस वीडियो में मयंक नेट्स पर गेंदबाजी करते हुए दिख रहे हैं, साथ ही इसके कैप्शन में लिखा, फिर से उड़ चला।

सौ दिन बाद पेरिस ओलंपिक में भारत करेगा न्यूजीलैंड खिलाफ अभियान की शुरुआत

नई दिल्ली, 17 अप्रेल। सौ दिन बाद पेरिस ओलंपिक में भारतीय पुरुष हॉकी टीम स्वर्ण पदक की उम्मीद के साथ 27 जुलाई को न्यूजीलैंड खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। इस बार पेरिस ओलंपिक हॉकी के पूल ए में जर्मनी, ग्रेट ब्रिटेन, स्पेन, दक्षिण अफ्रीका और मेजबान फ्रांस है। वही पूल बी में भारत को मौजूदा ओलंपिक चैंपियन बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, न्यूजीलैंड, और आयरलैंड की चुनौती का सामना करना है।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम अपने अभियान की शुरुआत 27 जुलाई को न्यूजीलैंड के खिलाफ करेगी। उसके बाद 29 जुलाई को अर्जेंटीना और फिर 30 जुलाई आयरलैंड और एक अगस्त बेल्जियम से भिड़ेगी। भारतीय टीम अपना आखिरी ग्रुप स्टेज गेम दो अगस्त को शक्तिशाली आस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलेंगी। ओलंपिक की उलटी गिनती के साथ ही भारतीय टीम के मुख्य क्रेग फुल्टन, हम अभी ऑस्ट्रेलिया के गहन दौरे से लौटे हैं, एक छोटे से ब्रेक के बाद हम फिर से मैदान में उतरेंगे। स्वर्ण पदक जीतने के हमारे साझा लक्ष्य से प्रेरित होकर हमारी टीम की एकजुटता के साथ बढ़ रही है।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत ने कहा कि हर दिन मायने रखता है, हर अभ्यास, हर अभ्यास - यह सब ओलंपिक मंच पर उस पल की ओर बढ़ रहा है। कुल मिलाकर, हम भूखे हैं, हम केंद्रित हैं और हम चमकने के लिए तैयार हैं। उप-कप्तान हार्दिक सिंह ने भी कहा, ऑस्ट्रेलिया परीक्षण ने उन क्षेत्रों पर प्रकाश डाला है जिनमें हमें सुधार करने की आवश्यकता है और शिविर में लौटने पर हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि हम पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए समय रहते किसी भी शेष मुद्दे को सुलझा लें। हम यह सुनिश्चित करने के लिए शेष 100 दिनों में से प्रत्येक में अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे कि ओलंपिक में स्वर्ण पदक के लिए हमारी खोज सफल हो।

केकेआर को लगा दोहरा झटका, कप्तान श्रेयस अय्यर पर लगा 12 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली, 17 अप्रेल। कोलकाता नाइट राइडर्स को दोहरा झटका लगा है। पहले तो केकेआर टीम को मंगलवार को रॉयल्स के खिलाफ हार झेलनी पड़ी। इसके बाद मैच में धीमी ओवर गति बनाए रखने के कारण कप्तान श्रेयस अय्यर पर ने 12 लाख रुपये का जुर्माना ठोका है।

जोस बटलर ने किया बड़ा खुलासा

नई दिल्ली, 17 अप्रेल। मंगलवार को जोस बटलर ने सुनील नरेन की शतकीय पारी पर पानी फेरते हुए राजस्थान रॉयल्स को रिकॉर्ड जीत दिलाई। केकेआर के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल इतिहास के संयुक्त रूप से सबसे बड़े लक्ष्य का पीछा किया। 224 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान रॉयल्स की टीम एक समय 6 विकेट खोकर 121 का स्कोर बनाकर संघर्ष कर रही थी। हालांकि, बटलर ने हिम्मत दिखाते हुए अंत तक बल्लेबाजी की और केकेआर के ऐतिहासिक ईडन गार्डन्स पर अपनी टीम को यादगार जीत दिलाई। राजस्थान रॉयल्स ने अपने ही चार साल पुराने रिकॉर्ड की बराबरी की है। 2020 में किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ शारजाह में राजस्थान रॉयल्स ने 224 रन के लक्ष्य का सफलतापूर्वक हासिल किया था। बटलर ने मौजूदा सीजन में अपना दूसरा शतक जड़ा है। इस दौरान बटलर क्रैम्प्स के कारण मैदान पर संघर्ष कर रहे थे। हालांकि, वह क्रीज पर डटे रहे और आईपीएल में सबसे ज्यादा शतक जमाने के मामले में क्रिस गेल को पीछे छोड़कर दूसरे स्थआन पर पहुंचे। बटलर ने उनकी शानदार पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया। बटलर ने अवॉर्ड लेने के बाद कहा कि, खुद पर विश्वास रखना जरूरी था और यही इस मैच की प्रमुख बात रही।

बिहारी बाबू मुकेश ने उतारी ऋद्धिमान साहा की गर्मी

अहमदाबाद, 17 अप्रेल। गुजरात टाइटंस के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग 2024 के 32वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स की शुरुआत जोरदार हुई। मैच में दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत ने टॉस जीतने के बाद पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। कप्तान पंत के इस फैसले को ईशांत शर्मा और मुकेश कुमार ने बिल्कुल सही साबित करते हुए टीम को शुरुआती सफलता दिलाने में सफल रहे। खास तौर से मुकेश कुमार ने जिस तरह से वापसी करते हुए ऋद्धिमान साहा को आउट किया वह कमाल का था। दरअसल पारी का चौथा ओवर करने आए मुकेश अपनी लय में नहीं दिख रहे थे। विकेट लेने से पहले उन्होंने नो बॉल भी डाला था, जिससे मुकेश दवाब में दिख रहे थे।

पैरा तीरंदाज शीतल ने खेलो इंडिया राष्ट्रीय मीट में सक्षम खिलाड़ियों के बीच रजत पदक जीता

नई दिल्ली, 17 अप्रेल। एशियाई पैरा खेलों की गोल्ड विजेता शीतल देवी ने खेलो इंडिया एनटीपीसी राष्ट्रीय रैंकिंग तीरंदाजी प्रतियोगिता में सक्षम खिलाड़ियों के बीच रजत पदक जीता।

वह हरियाणा की एकता रानी के बाद दूसरे स्थान पर रहीं जो जूनियर विश्व चैंपियन हैं। डीडीए यमुना खेल परिसर में आयोजित प्रतियोगिता में 17 वर्षीय शीतल ने सक्षम जूनियर तीरंदाजों के साथ प्रतिस्पर्धा की और व्यक्तिगत कंपाउंड स्पर्धा के फाइनल में एकता से 138-140 से हार गईं। इस साल की शुरुआत में हांगझोउ एशियाई पैरा खेलों में दो स्वर्ण और एक रजत पदक जीतने के लिए अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित शीतल का जन्म फोकोमेलिया नामक एक दुर्लभ बीमारी के साथ हुआ था। वह पहली और एकमात्र अंतरराष्ट्रीय पैरा तीरंदाज हैं जिनकी बांह नहीं है। शीतल का मानना है कि खेलो इंडिया प्रतियोगिता में उनके प्रदर्शन से उन्हें आगे की चुनौतियों के लिए तैयार होने में मदद मिलेगी। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) की प्रेस विज्ञिप्त में शीतल के हवाले से कहा गया, "इस नतीजे से मुझे अंतरराष्ट्रीय मंचों और ओलंपिक में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।"

शियाई कैनो स्प्रिंट ओलंपिक क्वालीफायर

ओलंपिक कोटा के लिए भारतीय कयाकर्स और कैनोयर्स करेंगे पैडलिंग

टोक्यो, 17 अप्रेल। भारतीय नौकाएँ (कयाकर्स) और नौका चालक(कैनोयर्स) छह अलग-अलग स्पर्धाओं में ओलंपिक कोटा सुरक्षित करने जापान के सी फॉरेस्ट वॉटरवे पर होने वाली एशियाई कैनो स्प्रिंट ओलंपिक क्वालीफायर में गुरुवार को स्पर्धा करेंगे। इस स्पर्धा में भारत 13 एथलीटों को मैदान में उतारेगा। हालाँकि, उनमें से 10 ओलंपिक कोटा के लिए दावेदार होंगे क्योंकि शेष तीन गैर-ओलंपिक श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा करेंगे और उन्हें केवल पदक मिलेगा। एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता अर्जुन सिंह/सुनील सिंह सलाम टोक्यो में पदक और पेरिस 2024 कोटा के लिए भारत दल की अगुवाई करेंगे। वरिंदर सिंह (पुरुष के1 1000 मीटर), रिम्सन मैरेम्बम/हर्षवर्धन सिंह शक्तावत (पुरुष के2 500 मीटर), ज्ञानेश्वर सिंह फिलम (पुरुष सी1 1000 मीटर), पार्वती गीता/सोनिया देवी फिरेम्बम (महिला के2 500 मीटर) और नेहा देवी लीचोनबाम/कावेरी (महिला सी2 500 मीटर) भारतीय दल के अन्य कोटा प्रतियोगी हैं।

ट्वंटी-20 आईपीएल 2024 में रोहित-विराट कर सकते हैं ओपनिंग

नई दिल्ली, 17 अप्रेल। टी20 आईपीएल के दो सबसे सफल खिलाड़ी विराट कोहली और रोहित शर्मा का आगामी टी20 वर्ल्ड कप 2024 आखिरी हो सकता है। भले ही रोहित शर्मा सलामी बल्लेबाज हैं, फिर भी इस बात पर काफी चर्चा हुई है कि विराट कोहली को कहां बल्लेबाजी करनी चाहिए। आईपीएल 2024 में शानदार प्रदर्शन के बाद इसमें कोई शक नहीं कि कोहली ने नंबर 3 पर अपनी जगह पक्की कर ली है। लेकिन टी20 वर्ल्ड कप 2024 में भारतीय टीम को संयोजन की समस्या का सामना करना पड़ रहा है, जिसके बाद सवाल उठ रहा है कि, क्या विराट कोहली को फिर से रोहित शर्मा के साथ ओपनिंग करनी चाहिए? दैनिक जागरण के अनुसार आगामी टी20 वर्ल्ड कप 2024 में रोहित शर्मा के साथ विराट कोहली ओपनिंग कर सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक कुछ समय पहले विराट ने टीम प्रबंधन से उनके टी20 वर्ल्ड कप में खेलने पर स्पष्टता मांगी थी। जानकारी के अनुसार टीम प्रबंधन ने उन्हें इस पर स्पष्टता दे भी दी है। यशस्वी जायसवाल और रुतुराज गायकवाड़ को भी टी20 में मौके मिले हैं, जहां उन्होंने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की है। अगर हम बड़े इवेंट में नए खिलाड़ियों को मौके नहीं देंगे तो फिर वो तैयार कैसे होंगे। लेकिन अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज में रोहित और कोहली का चयन करके चयनकर्ताओं ने साफ कर दिया कि वे किसी तरह का जोखिम नहीं लेना चाहते हैं।

अंपायर से हुई गलती या ऋषभ पंत ने की चीटिंग

शाहरुख खान के स्टंपिंग पर अब तो बवाल होगा

अहमदाबाद, 17 अप्रेल। गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजों ने कोहराम मचा दिया। गेंदबाजों के साथ टीम के कप्तान और विकेटकीपर ऋषभ पंत ने भी कमाल का खेल दिखाया। उन्होंने मैच में गुजरात के दो खिलाड़ियों को स्टंप किया। हालांकि, इसके साथ ही एक विवाद भी उठ खड़ा हुआ। दरअसल ट्रिस्टन स्टब्स की गेंद पर शाहरुख खान ने स्वीप शॉट लगाने का प्रयास किया था, लेकिन वह पूरी तरह से मिस हट कर गए। ऋषभ पंत विकेट के पीछे पूरी तरह से मुस्तैद थे, गेंद जैसे ही शाहरुख खान से छूटी पंत ने पलक झपकते ही विकेट की बत्ती को चला दिया, लेकिन वीडियो रिप्ले में ऐसा लग रहा था, पंत स्टंपिंग के दौरान गेंद को सही से कलेक्ट नहीं कर पाए थे और वह उनसे छिटक गई थी। मामला काफी पेचीदा हो गया था। ऐसे में थर्ड अंपायर को अलग-अलग एंगल से गेंद को देखकर शाहरुख खान को आउट करार दे दिया। ऐसे में सवाल यह यह उठता है कि क्या ऋषभ पंत ने स्टंपिंग के दौरान चीटिंग की थी, हालांकि वीडियो रिप्ले से यह पता चला कि जब तक गेंद उनके हाथ से छिटकी थी जब तक उन्होंने विकेट को ग्लव्स से लगा दिया था। ऐसे में कुछ माइक्रो सेकेंड के अंतराल में ऋषभ स्टंपिंग करने में सफल हो गए। ऐसे में यह नहीं कहा जा सकता है कि ऋषभ पंत ने किसी तरह से चीटिंग की या फिर अंपायर के कोई भूल हुई।

टी-20 विश्वकप के लिए भारतीय टीम में नये चेहरों की संभावना नहीं

नई दिल्ली, 17 अप्रेल। अमेरिका में होने वाले आगामी टी20 विश्व कप के लिए इस महीने के अंत तक जब भारतीय टीम को अंतिम रूप दिया जायेगा तो इसमें आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने वाले किसी नये खिलाड़ी को चुने जाने की संभावना नहीं है लेकिन कुछ परखे हुए क्रिकेटरों को निराशा का सामना करना पड़ सकता है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने अस्थायी 15 सदस्यीय टीम घोषित करने के लिए एक मई की तारीख तय की है जिससे अजीत अगरकर और उनके साथियों को टीम के प्रत्येक सदस्य के फिट होने की स्थिति में कुछ स्पष्ट विकल्प चुनने होंगे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड के एक सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई से कहा, "इसके लिए कोई प्रयोग या फिर मैदान के प्रदर्शन से चयन नहीं होगा। भारत के लिए जो खिलाड़ी खेलते हैं और जिन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय तथा आईपीएल में निरंतर अच्छा प्रदर्शन किया है।

आईपीएल में खेलने से कुछ भी सीखने को नहीं मिलने वाला है

बांग्लादेश क्रिकेट बोड़ के जलाल का आजीबोगरीब बयान

नई दिल्ली, 17 अप्रेल। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के क्रिकेट संचालन अध्यक्ष जलाल यूनुस ने मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल से वापस बुलाने के निर्णय को सही ठहराया है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने आईपीएल और चेन्नई सुपर किंग्स को सूचना दी है कि वह रहमान को अपने देश के लिए खेलने के लिए अनुमति दे। 2 मई से बांग्लादेश की टीम जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज खेलने वाली है।

ये निर्णय चेन्नई सुपर किंग्स की टीम के लिए काफी धक्का देने वाली है। क्योंकि वह टीम के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने पांच मैच में 10 विकेट लिए हैं। यूनुस ने कहा है कि आईपीएल के पास बांग्लादेश के तेज गेंदबाज को देने के लिए और कुछ नहीं है।

मुस्तफिजुर रहमान को 1 मई तक बांग्लादेश लौटना था लेकिन चेन्नई सुपर किंग्स ने बोर्ड से उन्हें एक और मैच खेलने के लिए मना लिया है। जिसका मतलब है कि रहमान अब 2 मई को स्वदेश लौटेंगे और उससे पहले वह पंजाब किंग्स के खिलाफ होने वाले मुकाबले में खेलते हुए नजर आएंगे। यूनुस ने बताया कि बीसीबी ने अनुभवी तेज गेंदबाज को इस बुलाया है कि क्योंकि बोर्ड को उनकी फिटनेस की चिंता है। वह टी20 विश्व कप में बांग्लादेश की टीम के एक अहम सदस्य होंगे। जलाल यूनुस ने बांग्लादेश के दैनिक द डेली स्टार के हवाले से कहा, "आईपीएल में खेलने से मुस्तफिजुर को कुछ भी सीखने को नहीं मिलने वाला है। मुस्तफिजुर की सीखने की प्रक्रिया खत्म हो गई है। बल्कि आईपीएल में कई खिलाड़ी उनसे सीख सकते हैं। बांग्लादेश को इससे कोई फायदा नहीं होगा।"

'खैरथल का विकास गुड़गांव की तर्ज पर होगा, यह मोदी, भूपेन्द्र और भजनलाल की गारंटी है'

मुख्यमंत्री भजनलाल ने खैरथल में अलवर के भाजपा प्रत्याशी, केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव के समर्थन में आयोजित सभा में कहा

किशनगढ़ बास/खैरथल, 17 अप्रेल (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अलवर से भाजपा प्रत्याशी और भारत सरकार में मंत्री भूपेंद्र यादव के समर्थन में खैरथल में पुरानी अनाज मंडी परिसर में सभा को संबोधित किया।

इससे पहले प्रत्याशी भूपेंद्र यादव ने टपूकड़ा, से खैरथल तक 50 किलोमीटर लम्बा रोड शो किया। टपूकड़ा और तिजारा में महंत बालक नाथ योगी और किशनगढ़ बास में पूर्व विधायक रामहेत यादव भूपेन्द्र यादव के साथ रोड शो में नज़र आए।

50 किलोमीटर के लम्बे रोड शो में कई वाहनों व कई लोगों ने शिरकत की और मोदी व भाजपा के पक्ष में भारी नारेबाजी हुई।

किशनगढ़ बास में रोड शो के दौरान भूपेंद्र यादव संत कंवर राम सिंधी हरि मंदिर पर रुके वहां उन्होंने रथ से उतरकर मत्था टेका व संत कंवर राम का आशीर्वाद लिया। इस दौरान व्यापार महासंघ अध्यक्ष परमानंद लखयाणी व सिंधी समाज के लोगों ने उन्हें राम मंदिर के रूप में स्मृति चिन्ह प्रदान किया। रोड शो के दौरान जगह जगह आतिशबाजी भी की गई।

खैरथल में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पुरानी अनाज मंडी परिसर में सभा को संबोधित करते हुए कहा कि अलवर खैरथल के लोग सौभाग्यशाली हैं जिन्हें भूपेंद्र यादव मिले हैं। राजस्थान की सरकार तो विकास करेगी लेकिन विकास में भूपेंद्र यादव की बहुत बड़ी भागीदारी रहेगी। खैरथल जिले के लोगों को चिंता करने की जरूरत नहीं है, खैरथल का गुड़गांव की तर्ज पर विकास होगा। यह मोदी भूपेंद्र और भजनलाल की गारंटी है। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस के घोषणा पत्र को लेकर कहा कांग्रेस के लोग घोषणा पत्र को चुनाव के बाद भूल जाते हैं। मोदी ने 2014 और 2019 के संकल्प पत्र में जो कहा उसे पूरा किया और राजस्थान की सरकार ने 3 महीने में संकल्प पत्र के 45 वायदे पूरे किए हैं।

भजनलाल ने कहा, पंचायत से पार्लियामेंट तक कांग्रेस साफ हो चुकी है। कांग्रेस की स्थिति ऐसी बनी है, कि हार से बचने के लिए हर किसी से समझौता करने में लगी है। मुख्यमंत्री ने राम मंदिर का भी जिक्र किया व कहा, हम जब कहते थे की मंदिर वहीं बनाएंगे तो कांगेस के लोग कहते थे कि तारीख नहीं बताएंगे। हमने रामलला को भव्य मंदिर में विराजमान किया और तारीख बताते हुए निमंत्रण भी दिया।

इस मौके पर प्रत्याशी भूपेंद्र यादव ने चुनाव प्रचार के दौरान गांवों व शहरों में मिले जनता के प्यार और आशीर्वाद के प्रति आभार जताया और कहा कांग्रेस वालों ने अलवर में बहुत झूठ बोला है।

सभा को उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व सांसद जगदंबिका पाल, हरियाणा के राव नरवीर सिंह, अलवर प्रभारी व जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत, पूर्व विधायक रामहेत यादव सहित कई नेताओं ने संबोधित किया। इस दौरान भाजपा नेता जिला प्रमुख बलबीर छिल्लर, जिला चुनाव संयोजक संजय नरूका, जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता, उम्मेद भाया आदि उपस्थित रहे।

- **भूपेन्द्र यादव ने प्रचार के अंतिम दिन टपूकड़ा से खैरथल तक 50 किलोमीटर लम्बा रोड शो किया। उसके बाद खैरथल में जनसभा की।**
- **मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि, कांग्रेस चुनाव के बाद घोषणा पत्र भूल जाती है, जबकि हमने जनता से किए वायदे पूरे किए हैं।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश में मतदान के पहले चरण के चुनाव प्रचार के आखिरी दिन भूपेन्द्र यादव के समर्थन में टपूकड़ा से खैरथल तक 50 किलोमीटर लम्बा रोड शो किया। इस मौके पर महंत बालक नाथ और विधायक रामहेत यादव भी मौजूद थे। रोड शो के दौरान जगह-जगह आतिशबाजी और पुष्प वर्षा की गई।

पहले चरण के चुनाव का प्रचार बंद

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 अप्रैल। लोकसभा की 543 सीटों में से 102 सीटों पर प्रचार बुधवार को बंद हो गया, इन सीटों पर लोकसभा चुनावों के प्रथम चरण में 19 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। प्रथम चरण के तहत मतदान वाले प्रमुख राज्य आसाम, बिहार, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, तमिलनाडू व उत्तराखंड हैं।

ऐसे प्रदेश जिनमें प्रथम चरण में ही लोकसभा चुनाव समाप्त हो जाएंगे, वे हैं- तमिलनाडू (39 सीटें), उत्तराखंड (5), अरूणाचल प्रदेश (2), मणिपुर (2), मेघालय (2), मिज़ोरम (1), नागालैण्ड (1 सीट), और सिक्किम (1सीट)। प्रथम चरण में लक्षद्वीप, पुडूचेरी एवं अंडमान व निकोबार द्वीप समूह में भी मतदान पूर्ण हो जाएगा।

- **आम चुनाव के पहले चरण में 19 अप्रैल को 102 सीटों पर मतदान होगा।**

उत्तर प्रदेश, जिसकी लोकसभा में 80 सीटें हैं इस मामले में सबसे बड़ा राज्य है। प्रथम चरण में मतदान वाले इसके निर्वाचन क्षेत्र सहारनपुर, कैराना, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, नगीना, मुरादाबाद, रामपुर व पीलीभीत हैं।

बंगाल में लोकसभा की 42 सीटें हैं इनमें से प्रथम चरण में मतदान वाले निर्वाचन क्षेत्र-कूचबिहार, अलीपुरद्वार व जलपाईगुड़ी हैं।

महाराष्ट्र में लोकसभा की 48 सीटों में से 5 सीटों पर प्रथम चरण में 19 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। ये सीटें हैं- रामटेक, नागपुर, भंडारा-गोंदिया, गढ़चिरौली-चिमुर एवं चन्द्रपुर।

तमिलनाडू की सभी 39 सीटों व उत्तराखंड की सभी 5 सीटों पर प्रथम चरण में वोट डाले जाएंगे। लोकसभा चुनावों की सभी सीटों की वोटों की गिनती 4 जून को की जाएगी।

नियम विरूद्ध अंग प्रत्यारोपण और फर्ज़ी एन.ओ.सी. के मामले में एफ.आई.आर.

मानव अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण प्राधिकारी डॉ. रश्मि गुप्ता ने जवाहर सर्किल थाने में एफ.आई.आर. दर्ज करवाई

जयपुर, 17 अप्रेल। मानव अंगों के नियम विरूद्ध प्रत्यारोपण, इसके लिए फर्जी एन.ओ.सी. जारी किए जाने तथा अंग प्रत्यारोपण में अंतरराष्ट्रीय रैकेट सक्रिय होने की जानकारी सामने आने पर मानव अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण के समुचित प्राधिकारी की ओर से जवाहर सर्किल थाने में एफ.आई.आर. दर्ज करवाई गई है।

उल्लेखनीय है कि, मानव अंग प्रत्यारोपण के लिए रिश्वत लेकर फर्जी एन.ओ.सी. जारी करने की सूचना मिलने पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने स्वप्रेरित संज्ञान लिया था। उन्होंने एक उच्च स्तरीय बैठक लेकर इस प्रकरण में त्वरित जांच एवं कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। विभाग की इस पहल के बाद भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने प्रकरण में शामिल, एस.एम.एस. एवं ई.एच.सी.सी. और फोर्टिस अस्पताल के कार्मिकों को गिरफ्तार किया था।

समुचित प्राधिकारी डॉ. रश्मि गुप्ता ने बताया कि, चिकित्सा शिक्षा विभाग की इस पहल के बाद समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरों से सामने आया कि जयपुर के फोर्टिस अस्पताल में लोगों को लाया जाता था और उनकी किडनी निकालकर उन्हें गुरूग्राम भेज दिया जाता। इस मामले में अंतर्राष्ट्रीय स्तर का रैकेट सक्रिय बताया गया। मालवीय नगर सहायक पुलिस आयुक्त आदित्य पूनिया ने इस संबंध में गुरूग्राम जाकर जांच की।

जांच में पाया गया कि, बांग्लादेश के कुछ निवासियों ने जयपुर के फोर्टिस अस्पताल में किडनी ट्रांसप्लांट करवाया। जांच के अनुसार, किडनी डोनर एवं किडनी रिसीवर आपस में रिश्तेदार या ब्लड रिलेशन में नहीं थे, न ही एक दूसरे को जानते थे, उनके बयानों के अनुसार, फोर्टिस अस्पताल प्रशासन, ऑथराइज़ेशन कमेटी या किसी अन्य चिकित्सक द्वारा उन्हें किसी तरह की एन.ओ.सी. पेश करने के लिए भी नहीं कहा गया, न ही किडनी डोनर एवं रिसीवर के बीच ब्लड रिलेशन प्रमाणित करने के कागजात मांगे गए। उनसे कुछ खाली कागजों पर हस्ताक्षर करवाए गए तथा फर्जी एन.ओ.सी. बनाने के लिए पैसे भी लिए गए। जांच के अनुसार, इस प्रकरण में शामिल दलाल मुर्तजा अंसारी, फोर्टिस अस्पताल प्रशासन तथा डॉक्टरों ने मिलकर किडनी रिसीवर एवं किडनी डोनर के साथ धोखाधड़ी कर पैसे हड़पे हैं।

चिकित्सा शिक्षा विभाग के स्वप्रेरित संज्ञान के बाद समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरों एवं पुलिस जांच में सामने आए तथ्यों के दृष्टिगत मामले में प्रभावी जांच के लिए बुधवार को समुचित प्राधिकारी ने जवाहर सर्किल थाने में एफ.आई.आर. दर्ज करवाई है।

गौरतलब है कि, इससे पहले फर्जी मेडिकल जांचों एवं दस्तावेजों के आधार पर सिलिकोसिस नीति के तहत नियम विरूद्ध लाभ लेने के मामले में भी चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने स्वप्रेरित संज्ञान लेकर प्रकरण को उजागर किया था तथा दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की थी।

- **जांच में सामने आया कि, बांग्लादेश के कुछ निवासियों द्वारा जयपुर के फोर्टिस अस्पताल में किडनी ट्रांसप्लांट करवाया गया और किडनी डोनर व रिसीवर आपस में रिश्तेदार या ब्लड रिलेशन में भी नहीं थे।**
- **फोर्टिस अस्पताल प्रशासन, ऑथराइजेशन कमेटी या किसी अन्य चिकित्सक द्वारा उन्हें किसी तरह की एन.ओ.सी. पेश करने के लिए भी नहीं कहा गया था।**

भाजपा के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मतदान से कुछ ही समय पूर्व भाजपा को परेशान कर रहा है। समृद्ध एवं ज़मीनों पर काबिज यह समुदाय भाजपा के सिद्धान्तों को मानने वाला और उसका निष्ठावान वोटर माना जाता रहा है। राजपूतों ने गत 7 अप्रेल को सहारनपुर में एक क्षत्रिय स्वाभिमान महाकुंभ का आयोजन कर अपनी शक्ति का भारी प्रदर्शन किया था। उसके बाद इस समुदाय की कई छोटी सभाएं और पंचायतें हुईं, जिनमें संकल्प लिया गया कि राजपूत उस प्रत्याशी को वोट देंगे, जो भाजपा को हराने में समर्थ होगा। विपक्ष के नेताओं ने शुरुआत में तो यही समझा कि राजपूतों का विरोध प्रदर्शन भाजपा ने ही ऐसे समुदायों का स्वयं के प्रति ध्रुवीकरण करवाने के लिए कराया, जिनका संख्याबल राजपूतों से अधिक है, तथापि, वास्तविक स्थिति के हिसाब से राजपूतों में राजनीतिक प्रतिनिधित्व को लेकर असंतोष बढ़ता जा रहा है, क्योंकि भाजपा जाट व गुर्जर जैसे अन्य समृद्ध भू-स्वामी समुदायों पर ज्यादा फोकस कर रही है। ये समुदाय उत्तर प्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग में आते हैं।

दो बार लगातार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हैं। वैभव पिछली बार लोकसभा चुनाव में जोधपुर से गजेन्द्र सिंह शेखावत से हार गए थे। इस बार गहलोत ने बेटे को जिताने में पूरी ताकत लगा दी है। उनके पास अन्य सीटों के लिए जरा भी वक्त नहीं है। वैभव "नॉन पॉलिटिकल" माने जाते हैं और उनकी स्थिति अच्छी नहीं है। सिर्फ गहलोत ने अपने प्रयासों से वैभव के प्रचार अभियान को जिंदा रखा हुआ है। कांग्रेस के लिए इस बार जीतना बहुत जरूरी है, वे राजस्थान लोकसभा चुनावों में हार की हैट्रिक नहीं बनाना चाहते हैं। राजस्थान भाजपा में आतंरिक असंतोष भी एक कारण है जो कांग्रेस को फायदा दे सकता है।

गुलाम नबी आज़ाद ने लोकसभा चुनाव नहीं लड़ने का ऐलान किया

श्रीनगर, 17 अप्रेल। दिग्गज राजनेता गुलाम नबी आजाद ने इस बार लोकसभा चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया है। उनकी पार्टी डीपीएपी (डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी) ने अनंतनाग-राजौरी सीट से उन्हें उम्मीदवार बनाया था। मगर अब उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया है। गुलाम नबी आजाद ने बुधवार को अनंतनाग में एक बैठक में यह घोषणा की। 2 अप्रैल को पूर्व केंद्रीय मंत्री आजाद को अनंतनाग-राजौरी सीट से चुनाव लड़ने के लिए नामांकित किया गया था।

इससे पहले आजाद की पार्टी के प्रवक्ता सलमान निजामी ने उनके चुनाव लड़ने को लेकर एक्स पर पोस्ट किया था। इस पोस्ट में निजामी ने लिखा, "डीपीएपी के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद साहब अनंतनाग-राजौरी लोकसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे।

19 अप्रैल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में से 8 लोकसभा सीटों पर 19 अप्रैल को मतदाता अपना वोट डालेंगे। ये सीटें अधिकतर पश्चिमी उत्तर प्रदेश की हैं इनके नाम सहारनपुर, कैराना, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, नगीना, मुरादाबाद, रामपुर, एवं पीलीभीत हैं।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:**-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908